दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 04
अंकः-41
मुरादाबाद
01 June 2024
(Saturday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सुहानी सुबह, सूर्य अर्घ्य और भगवा वस्त्र....कुछ ऐसे ध्यान लगाते नजर आए पीएम मोदी

देश में सातवें और आखिरी चरण के लोकसभा चुनाव की वोटिंग एक जून को होगी। इस चरण के मतदान की प्रचार अवधि खत्म होने के बाद पीएम मोदी कन्याकुमारी पहुंच गए। अब वहां समंदर में बनी विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे यानी एक जून की शाम तक ध्यानमग्न रहेंगे। आज उनके ध्यान का दूसरा दिन है। पीएम मोदी के ध्यान की कई तस्वीरें सामने आ रही हैं। कुछ ऐसे नजर आए पीएम मोदी तस्वीरों में पीएम मोदी भगवा कुर्ता और गमछे में दिख रहे हैं। वे स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के सामने बैठकर ध्यान कर रहे हैं। उनके हाथों में माला है। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज शुक्रवार को कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल के पास सूर्य देव को अर्घ्य दिया। उसके बाद दो दिन की ध्यान साधना शुरू कर दी।भाजपा ने इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया मंच पर साझा किया है। देखा जा सकता है कि पीएम मोदी ने सबसे पहले उगते हुए सूरज को जल चढ़ाया। उसके बाद हाथ जोड़कर प्रार्थना की और माला का जाप किया। पीएम मोदी के इस आध्यात्मिक प्रवास को लेकर कन्याकुमारी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उनकी सुरक्षा में 2000 हजार से ज्याद पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। कहा जा रहा है जितने समय तक पीएम मोदी विवेकानंद रॉक मेमोरियल पर रहेंगे तब तक किसी भी आम टूरिस्ट को वहां जाने की अनुमति नहीं होगी। पीएम मोदी की सुरक्षा में हस्त्र कमांडो की तैनाती भी किए जाने की खबर है।मौन व्रत पर पीएम मोदी पीएम मोदी इस रॉक मेमोरियल पर आज शाम यानी 30 मई से लेकर 1 जून की शाम तक योग ध्यान करेंगे। बताया जा रहा है कि इस दौरान वे मौन व्रत पर रहेंगे यानी किसी से बात नहीं करेंगे। दक्षिण भारत की पारंपरिक पोशाक में दिखे पीएम पीएम मोदी गुरुवार को कन्याकुमारी पहुंचे थे। प्रधानमंत्री धोती पहने दक्षिण भारत की पारंपरिक पोशाक में दिखे। उन्होंने ऑफ-व्हाइट रंग का शॉल ओढ़ रखा था। कन्याकुमारी पहुंचने के बाद भगवती अम्मन मंदिर में प्रार्थना और पूजा-अर्चना की। मंडपम की क्या खासियत इस ध्यान मंडपम की खास बात यह है कि यह वही स्थान है, जहां स्वामी विवेकानंद ने देश भ्रमण के बाद तीन दिनों तक ध्यान किया था। यहीं उन्होंने विकसित भारत का सपना देखा था। ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर देवी पार्वती ने एक पैर पर खड़े होकर साधना की थी। हर बार आध्यात्मिक यात्रा पर जाते हैं बता दें, आम चुनाव का प्रचार थमने के बाद पीएम मोदी हर बार आध्यात्मिक यात्रा पर जाते हैं और 2019 के चुनाव प्रचार के बाद वे केदारनाथ गए थे और साल 2014 में वे शिवाजी महाराज से संबंधित प्रतापगढ़ गए थे। कई मायनों में खास है कन्याकुमारी कन्याकुमारी कई मायनों में भारत के लिए खास है। यहीं पर भारत की पूर्वी और पश्चिमी तटीय रेख मिलती है। कन्याकुमारी में ही अरब सागर, हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी का मिलन होता है। कन्याकुमारी जाकर एक तरह से पीएम मोदी ने राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया है। विवेकानंद रॉक मेमोरियल पीएम मोदी जिस स्थान पर ध्यानमग्न हैं, वह एक छोटे से द्वीप पर स्थित है, जो कि कन्याकुमारी के शीर्ष पर्यटन स्थलों में से एक है। इसी स्थान पर स्वामी विवेकानंद 1892 में तीन दिनों तक ध्यान पर बैठे थे, जब उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। मान्यता ये भी है कि देवी कन्याकुमारी (मां पार्वती) ने इस चट्टान पर एक पैर पर खड़े होकर घोर तपस्या की थी। रॉक मेमोरियल में विवेकानंद मंडपम और श्रीपाद मंडपम स्थित है। इस स्थान पर स्वामी विवेकानंद की एक विशाल प्रतिमा स्थापित है। इस स्थान पर जाने का सबसे अच्छा समय अक्तूबर से मार्च का महीना होता है।

मुख्यमंत्री योगी ने दिया निर्देश- अनावश्यक बिजली कटौती न करें, तत्काल सही कराएं फाल्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जारी भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए अफसरों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर स्तर पर हीट वेव से बचाव के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाएं।यूपी में भीषण गर्मी और हीटवेव को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को निर्देश दिए और कहा कि गांव हो या शहर अनावश्यक बिजली कटौती न की जाए और फाल्ट आने पर तत्काल ठीक किया जाए। उन्होंने कहा कि विगत कुछ दिनों से प्रदेश में भीषण गर्मी-लू का प्रकोप देखा जा रहा है। तापमान बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में आम जनजीवन और पशुधन, वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए जाएं। राहत आयुक्त कार्यालय के स्तर से मौसम पूर्वानुमान का दैनिक बुलेटिन जारी किया जाए।उन्होंने कहा कि तेज गर्मी और लू का मौसम चल रहा है। ऐसे में गांव हो या शहर कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। जरूरत हो तो अतरिक्त बिजली खरीदने की व्यवस्था करें। ट्रांसफार्मर जलने, तार गिरने और ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का बिना विलंब निस्तारण किया जाए। अधिकारी फोन अटेंड करें, कहीं भी विवाद की स्थिति न बनने पाए, यदि ऐसा हो तो वरिष्ठ अधिकारी तत्काल स्वयं मौके पर पहुंचें।सभी नगर निकायों, ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ रखवाए जाएं। बाजार में मुख्य मार्गों पर जगह-जगह पेयजल की व्यवस्था हो। इस कार्य में सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाना चाहिए। सड़कों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जाए। पानी की कमी से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। पेयजल का अभाव कहीं भी न हो। उन्होंने कहा कि स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अयोध्या, काशी, मथुरा आदि सभी धार्मिक स्थलों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। बड़ा मंगल के दृष्टिगत लखनऊ में साफ-सफाई, ट्रैफिक व अन्य व्यवस्थाओं का सुचारू रूप से होना सुनिश्चित कराएं। हीट-वेव एक्शन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन करें-मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच पशुधन और वन्य जीवों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है। सभी प्राणि उद्यानों व अभयारण्यों में हीट-वेव एक्शन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। पशुपालक कृषकों को हीट वेव की स्थिति में सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम हों। गोशालाओं में पशुधन की हरे चारे-चोकर और पानी की उचित व्यवस्था हो। बरसात पूर्व पशुओं के वैक्सीनेशन की प्रक्रिया जारी रखें। हीटवेव (लू) के लक्षणों और उससे बचाव के लिए आमजन को जागरूक किया जाए। बीमारी की स्थिति में हर किसी को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराएं। अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में हीट-वेव से प्रभावित लोगों का तत्काल इलाज किया जाए। शहरों में पेयजल की आपूर्ति निर्धारित रोस्टर के अनुरूप की जाए, सभी हैंडपम्प को क्रियाशील रखा जाए, ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं का सुचारू संचालन किया जाए। सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ का संचालन एक पुनीत कार्य, गोवंश, श्वान आदि के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पानी एवं छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। पक्षियों के लिए छोटे बर्तनों में पानी एवं दाना रखने के लिए आम जन को करें जागरूक करें।

संक्षिप्त समाचार

आस्था पर भीषण गर्मी का असर: अयोध्या में दोगुना घट गए रामलला के दर्शनार्थी, रामपथ पर सन्नाटे जैसी स्थिति

सामान्य दिनों में जहां डेढ़ लाख श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर रहे थे। अब यह संख्या घटकर 1.15 लाख रह गई है। इसका कारण भीषण गर्मी माना जा रहा है। नौतपा के चलते पड़ रही भीषण गर्मी का असर अयोध्या के धार्मिक पर्यटन पर भी दिख रहा है। रामलला के दर्शनार्थियों के आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। बुधवार को जिले में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि बृहस्पतिवार को तापमान 42 डिग्री रहा। इसके चलते श्रद्धालु भी कम आ रहे हैं। इन दिनों जहां डेढ़ लाख श्रद्धालु रोजाना रामलला के दर्शन कर रहे थे। वहीं पिछले दो दिनों में रामलला के दरबार में महज 1.15 लाख श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाई है।श्रद्धालुओं की संख्या कम होने के पीछे भीषण गर्मी को कारण बताया जा रहा है। बृहस्पतिवार को रामजन्मभूमि पथ के सामने से गुजरने वाले रामपथ पर सन्नाटे जैसी स्थिति रही। बिड़ला धर्मशाला के पास जहां तिल रखने की जगह नहीं होती थी, वहां सुबह 11=30 बजे सन्नाटा पसरा रहा। बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी के चलते रोजाना दर्जनों श्रद्धालु रामजन्मभूमि पथ व हनुमानगढ़ी जाने वाले भक्तिपथ पर गश खाकर गिर रहे हैं। बृहस्पतिवार की दोपहर करीब 2=15 बजे एक महिला श्रद्धालु रामजन्मभूमि पथ पर गश खाकर गिर गईं। उन्हें इलाज के लिए श्रीराम अस्पताल पहुंचाया गया। बुधवार को रामलला के दरबार में महज 65,282 श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाई थी

दिल्ली-हरियाणा के बीच पानी को लेकर जंग

सुप्रीम कोर्ट पहुंची केजरीवाल सरकार, दायर की याचिका

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि रिकॉर्ड तापमान के बीच हरियाणा सरकार दिल्ली के हिस्से के पानी की कटौती कर रही है। हरियाणा सरकार यमुना में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ रही है।दिल्ली और हरियाणा सरकार के बीच पानी को लेकर खींचतान जारी है। इसी मामले में दिल्ली सरकार अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। दिल्ली सरकार ने सर्वोच्च अदालत में याचिका दाखिल की है। उन्होंने हरियाणा, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश से मानी की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक महीने अतिरिक्त पानी दिया जाए। इससे पहले, दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने आरोप लगाते हुए कहा था कि रिकॉर्ड तापमान के बीच हरियाणा सरकार दिल्ली के हिस्से के पानी की कटौती कर रही है। एक दिन पहले ,आतिशी ने आरोप लगाया था कि हरियाणा सरकार यमुना में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ रही है। इससे दिल्ली में जल संकट गहराता जा रहा है।

हालांकि, इससे निपटने के लिए सरकार ने तैयार है। सरकार ने वाटर टैंकर वार रूम बनाया है, जहां से दिल्लीवासी 1916 पर कॉल कर टैंकर मंगवा सकते हैं। पानी की बर्बादी रोकने के लिए जल बोर्ड की 200 टीमें बनाई गईं हैं। निर्माण साइटों, कार वाशिंग और कार रिपेयर सेंटर पर जल बोर्ड के पोर्टेबल पानी के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। आदेश का पालन न करने पर साइट सील की जाएगी। इधर, आतिशी ने वजीराबाद तालाब का निरीक्षण कर बताया कि यमुना का सामान्य जलस्तर 674 फीट से घटकर 670.3 फीट पर आ गया है। इससे कई इलाकों में पानी की कमी हो गई है। हरियाणा से यमुना में छोड़े जाने वाला पानी वजीराबाद, चंद्रावल व ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को मिलता है। 200 एनफोर्समेंट टीमें काटेंगी चालान- आतिशी ने बताया कि बुधवार को ही घोषणा की गई थी कि जल बोर्ड की 200 एनफोर्समेंट टीमें पानी की बर्बादी की जांच करेंगी। टीम का नेतृत्व करने के लिए एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को लगाया जा रहा है, जो पूरी दिल्ली में टीमों व काटे गए चालान पर निगरानी रखेंगे। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में लू चल रही है। इस समय जल विभाग और स्वास्थ्य विभाग की बहुत अहम भूमिका है। बिना अपने मंत्रियों को बताए और अनुमति लिए स्वास्थ्य विभाग के सचिव एसबी दीपक कुमार व जल विभाग के सीईओ अंबरासू छुट्टी पर चले गए हैं। कंस्ट्रक्शन साइट और कार सर्विस सेंटर के पानी पर रोक- आतिशी ने बताया कि कंस्ट्रक्शन साइट पर किसी भी तरह से पोर्टेबल यानी पेयजल का इस्तेमाल करने पर पूरी तरह से बैन लगाया जा रहा है। लाइन से हो या बोरवेल से हो।

गया में भीषण गर्मी से छह लोगों की मौत; 35 लोगों की तबीयत बिगड़ी; लू का कहर जारी

गया जिले में लू का कहर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सुबह होते ही बढ़ते तामपान के साथ हिट वेव की चपेट में आने से मरीजों की संख्या बढ़ी है। वहीं मरीजों के आने का सिलसिला जारी है। पिछले तीन दिनों से गर्मी के कई रिकॉर्ड टूटे हैं।बिहार के गया जिले में इन दिनों हिट वेब की चपेट में आने से कुल छह लोगों की मौत हो चुकी है। मगध प्रमंडल के एकलौता बड़ा सरकारी अस्पताल अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के हिट वेब वार्ड में भर्ती चार मरीज की मौत हो चुकी है। वहीं दो मरीज अस्पताल पहुंचने पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। लेकिन ऐसे मरीजों का रिकार्ड अस्पताल प्रशासन के पास नहीं होता है। हालांकि हिट वेब से मौत के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। हिट वेव वार्ड में 35 मरीज भर्ती- अस्पताल प्रशासन ने अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हिट वेव वार्ड बनाया गया है। जिसमें 48 बेड को सुरक्षित रखा गया है। ताकि हिट वेव से संबंधित कोई भी मरीज आने पर शीघ्र इलाज की सुविधा मुहैया हो सके। इस संबंध में अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. विनोद शंकर सिंह ने बताया कि हिट वेव वार्ड में शुक्रवार को 35 मरीज भर्ती हैं। अब तक छह लोगों की मौत- मिली जानकारी के मुताबिक चार अस्पताल में भर्ती मरीज और दो अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो चुकी थी। कुल मृतकों की संख्या अब तक 6 हो चुकी है।हिट वेब के कारण डॉक्टर समेत अतिरिक्त स्वास्थ्य कर्मियों को लगाया गया है। साथ-साथ इमरजेंसी सेवा में भी अतिरिक्त स्वास्थ्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो रोस्टर के हिसाब से काम करेंगे। ताकि हिट वेब की चपेट में आने से मरीजों को उपचार शीघ्र हिट वेब वार्ड में शिफ्ट किया जा सके। वहीं अस्पताल के वार्ड में आइस पैक, डिप फ्रिजर सहित पर्याप्त दवाएं मौजूद है। गया जिले में लू का कहर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सुबह होते ही बढ़ते तामपान के साथ हिट वेव की चपेट में आने से मरीजों की संख्या बढ़ी है। वहीं मरीजों के आने का सिलसिला जारी है। भीषण गर्मी की चपेट में है। पिछले तीन दिनों से गर्मी के कई रिकॉर्ड टूटे हैं। इन टूटते रिकॉर्ड के बीच अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है।

संपादकीय Editorial

Truth about insurance for the elderly

Prime Minister Modi has given an election guarantee that now every citizen of 70 years of age or above will get the benefit of the 'Ayushman' scheme. They will be able to get treatment up to Rs 5 lakh for free. If the Prime Minister's intention was to provide health cover to senior citizens, then senior citizens of 65 years could also have been included in this age group, because by this age diseases start ripening and there is a dire need for treatment. Diabetes, blood pressure, heart disease, cancer, kidney, prostate related diseases can be included in this list, which start increasing with age. If the Prime Minister had done this, not only would the elderly of the country have blessed him a lot, but the gross life expectancy would also have increased. Actually, providing health cover to the elderly is a very serious and important issue, because health insurance companies shy away from providing cover to senior citizens or outright refuse. The insurance installment of most private companies is very expensive, which the elderly without pension cannot afford. For those who have been in government service, facilities like CGHS are available for life. There are very few such people. For the common man, the terms and conditions of insurance companies are printed in such fine print that it is impossible to read them, so the people taking insurance have to rely on the statements of the agent. Government data itself reveals that only 6 percent of the population is of senior citizens who have their own health insurance cover, whereas the Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI) has been encouraging the participation of the elderly. This is a constitutional body, which was formed through a bill passed in the Parliament, so that the insurance market can be monitored. Despite this, the most vulnerable group of the country and society has been kept out of the benefits and need of insurance, because the insurance installment is really very expensive. The guarantee of the Prime Minister could have proved to be a 'master stroke'. The data of IRDA itself shows that in a country of 144 crore people, only 55 crore people have health cover. On an average, 54 out of 100 covers are sponsored by the government. Out of every Rs 100 earned as instalment, Rs 91 comes from individual and group insurance policies. According to a survey by an insurance company called 'Policy Bazaar', 96 percent of people in the country know about health insurance, but only 43 percent have taken a policy. On an average, 2 out of 3 people feel that insurance instalments are very expensive. Policies and conditions are very complicated, they even rob, payment terms are completely unclear and many diseases have been excluded from the list of coverage and this is not made clear to the policyholder. Most of the companies are doing this fraud. Actually, the health insurance market is very competitive. At the end of 2023, there were 29 companies which were setting health policies and conditions. This is the largest part of the non-life insurance market. Of course, this insurance sector is also growing, because people have started becoming more conscious about health. In 2023 itself, the health insurance instalment was increased by 21 percent, which was 7 percent more than the gross growth of the non-life insurance sector. Life Insurance Corporation of India (LIC) is still the leader in the life insurance market. Even now, the Government of India has the highest share in it. It is also considering entering the field of health insurance and making a mark. This company is also capable of setting a 'milestone'. LIC's annual profit is more than Rs 40,000 crore, so its share price has doubled since last October. The big and important question is what will be the meaning and benefits of LIC's.

Water Conservation: Campaign to keep small rivers alive, rejuvenation not possible without community

Small rivers help in groundwater recharge along with increasing the flow of big rivers. Rejuvenation of small rivers is not possible without community. Ganga, formed by the confluence of small rivers, is 2,550 km long, Brahmaputra and Indus are 916 and 1,114 km long respectively in India. Almost all the big rivers originate from glaciers. In their flow area, small rivers from forests, Terai, plains and rugged areas are joining big rivers. India's smallest river is Aravari, which originates from the Aravalli mountain range and flows in Alwar district of Rajasthan. Yamuna is the biggest tributary. Tons, Hindon, Chambal, Betwa etc. also join Yamuna. Small rivers increase the flow of big rivers and enable them to recharge groundwater. Maintains soil moisture and improves biodiversity. They help in dealing with drought and floods, but the rejuvenation of the drying small rivers is not possible without the community. The continuously decreasing water amount in these tributary and small rivers is a matter of concern. Due to the drying of glaciers, the snow-fed rivers are also drying up. Many rivers of Bundelkhand have dried up due to the scorching heat. Small rivers and water sources of Ganga-Yamuna have dried up. Every year, from the Himalayas to the plains, there is a huge loss of life and property due to heavy floods. The traditional style of storing rainwater has been crushed by modern development, where there used to be water structures like ponds, johads. Now multi-storey buildings have been built at those places. Mining, cemented structures have adversely affected the climate of the entire water area. Groundwater has gone down a lot. Despite these challenges, even today people in the villages of India arrange water through their traditional management, which promotes judicious water use. Active social workers, environmentalists and water society have together presented such examples that dried small rivers have started flowing again. In Alwar, Tarun Bharat Sangh has revived the dried rivers. People are learning social and environmental methods of river revival there. In Bundelkhand, Paramarth Samaj Seva Sansthan has launched a vigorous campaign for the revival of small rivers. So far, they have made significant efforts in collaboration with the local government and society for the revival of the extinct Bachheri, Kanera, Bargi, Khudar, Ghurari rivers. In a dialogue organized recently by Jal Jan Jodo Abhiyan and Paramarth Samaj Seva Sansthan in Khajuraho, Madhya Pradesh, 50 river representatives from 15 states decided that a yatra will be organized for the revival of 51 rivers. Water experts from across the country, led by Jalpurush Rajendra Singh, have demanded that the central government formulate a clear river policy for the rivers. People working for rivers believe that small rivers play an important role in the food security of the community, their dignified life and their economic development. Along with this, they are also helpful in increasing the flow of big rivers, recharging groundwater, increasing the fertility of the land. Climate change is directly related to small rivers. If we revive small rivers, the threat of climate change will be reduced. National coordinator of this campaign, Dr. Sanjay Singh said that before the journeys to revive the rivers, it is necessary that after collecting all the data about the concerned river, communication will be done with the community. Prof. Vibhuti Rai says that if traditional water security measures are not paid attention to, then the danger to human life will increase. Rivers will dry up in the next 20 years. If small rivers are to be revived, then different plans are required according to the climate of each region. River knowledge system should be included in the educational curriculum. Rakesh Katal, head of WHO India, says that this is an emergency situation to save the rivers. Therefore, the society and environmentalists concerned about the revival of rivers across the country are coming forward and taking steps to revive each and every river.

Fire accidents: This is a failure of the entire system, combined efforts of the Center and the states are needed to deal with it

Every year thousands of people lose their lives in fire accidents in the country. Every time an investigation is conducted and every time it is said that gross negligence and violation of rules are behind it. These fire accidents show the failure of the entire system, to deal with which combined efforts are necessary at both the Center and the State level. On May 25, 32 people including children died in a fire in a gaming zone in Rajkot, Gujarat. The state government has formed an SIT and started an investigation. State Chief Minister Bhupendra Patel has announced a compensation of Rs 4 lakh to the families of the deceased and Rs 50,000 to the injured. On the night of May 25, two separate incidents of fire took place in Delhi. Seven newborn babies died and five others were injured in a fire at a children's hospital in Vivek Vihar. Apart from this, a fire broke out in a building in Krishnanagar at around 2 am, in which three people lost their lives and three others were injured. Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal expressed his condolences and assured that the causes of the incidents are being investigated so that those responsible can be held accountable. India's urban areas are particularly vulnerable to fire incidents due to densely populated and congested areas with cramped infrastructure. For example, the fire at the ESIC Kamgar Hospital in Mumbai in 2018 and the Surat coaching centre fire in 2019 that killed 22 students. These incidents show that lessons from past tragedies have not been fully learnt. The most tragic incidents in the past, the Uphaar Cinema fire and the Bhopal gas tragedy, highlighted the need for systemic reforms and the grave consequences of neglect. There have been many incidents of industrial safety lapses, underlining the urgent need for strong governance and strict safety regulations. The Uphaar Cinema fire was a tragedy that could have been prevented. On June 13, 1997, while a popular film was being screened at Uphaar Cinema in Delhi, a fire broke out due to a faulty transformer, killing 59 people and injuring over 100. Most of the victims died of suffocation as they were trapped in the balcony area with exit doors closed or obstructed. The tragedy was further aggravated by the lack of proper fire safety measures and emergency preparedness. The investigation into the fire found gross negligence and violations of safety measures, such as escape routes being closed and fire fighting equipment malfunctioning due to lack of proper maintenance. The Uphaar Cinema fire is a reminder of the greater need for strict enforcement of building codes and fire safety measures. It also highlights the failure of local authorities to comply with the rules, highlighting broader governance issues that need to be addressed at both the Centre and state levels. Another example of systemic failure apart from the fire is the Bhopal gas tragedy. The Bhopal Gas Tragedy of 1984 is a prime example of lack of industrial safety leading to massive loss of life. Methyl isocyanate gas leaked at the Union Carbide pesticide plant in Bhopal, causing immediate death of thousands and long-term health problems for over five lakh people. The tragedy was a result of poor maintenance, inadequate safety protocols, lack of preparedness in emergency situations. It was followed by long legal battles and delayed justice for the victims. The tragedy highlighted the importance of enforcing safety standards and regulatory oversight in the operation of industrial plants. It also demonstrated the need for a strong legal framework to hold companies accountable for negligence and ensure preventive measures to prevent such disasters. Despite such horrific incidents, safety remains a significant concern in the states of our country. Data from the National Crime Records Bureau (NCRB) shows that thousands of people lose their lives in fire incidents every year in our country. Electrical short-circuits, improper storage of flammable materials and neglect of safety measures are common causes of fire. A multi-pronged approach is required to tackle fire hazards in our country. Strict enforcement of safety measures- It is important to ensure strict adherence to the National Building Code and fire safety norms. Regular inspections and provision of penalties for non-compliance can prevent laxity. Public awareness and training- Educating citizens about fire safety measures and conducting regular mock drills in public places can improve preparedness and reduce casualties. Improvement in infrastructure- Modernization of electrical infrastructure and ensuring safe construction can reduce common causes of fire. Strengthening emergency services- Improving the capabilities and response time of fire departments, especially in urban centers, is essential for effective disaster management. Corporate accountability- Industrial disasters can be prevented by enforcing strict corporate governance standards and holding companies accountable for safety violations. The Uphaar Cinema fire and the Bhopal gas tragedy are examples of the devastating effects of fire hazards and industrial safety lapses. These are reminders of the impact of disasters on the world. Dealing with them requires not only regulatory reforms and strict enforcement of rules, but also a cultural shift towards prioritising safety measures and preparedness. Effective governance and proactive measures are critical to prevent future disasters and protect lives across the country.These are reminders of the impact of disasters on the world. Dealing with them requires not only regulatory reforms and strict enforcement of rules, but also a cultural shift towards prioritising safety measures and preparedness. Effective governance and proactive measures are critical to prevent future disasters and protect lives across the country.These are reminders of the impact of disasters on the world. Dealing with them requires not only regulatory reforms and strict enforcement of rules, but also a cultural shift towards prioritising safety measures and preparedness. Effective governance and proactive measures are critical to prevent future disasters and protect lives across the country.

प्लीज सर... वो जिंदा है, जल्दी दरवाजा तोड़कर उसे बचा लीजिए, वह बच जाएगी; साथी छात्राएं करतीं रहीं मिन्नतें

मुरादाबाद में पॉलीटेक्निक के हॉस्टल में एक छात्रा का शव फंदे से लटका मिला। छात्रा महोबा की रहने वाली थी। वो कॉलेज के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी।मुरादाबाद के राजकीय महिला पॉलीटेक्निक के हॉस्टल के कमरे में बुधवार रात छात्रा काजोल (17) का शव पंखे से लटका मिला है। बुधवार रात मेस में खाना खाने जा रहीं अन्य छात्रा ने काजोल के कमरे का दरवाजा बंद देखा। उन्होंने दरवाजा खटखटाया तो कोई अंदर से जवाब नहीं आया। छात्राओं की सूचना पर प्रिंसिपल धीरेंद्र कुमार यादव और अन्य स्टॉफ पहुंच गया। दरवाजा तोड़कर देखा तो उसका शव लटका था। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की।महोबा जनपद की कुलपहाड़ तहसील पचारा अमनपुरा निवासी काजोल पुत्र हलकुट्टा मुरादाबाद के राजकीय महिला पॉलीटेक्निक में इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेड से इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। काजोल का दूसरा सेमेस्टर था। वह हॉस्टल के ब्लाक-सी के कमरा नंबर 10 में अकेली रहती थी। प्रिंसिपल ने पुलिस को बताया कि बुधवार सुबह छात्रा क्लास में नहीं पहुंची थी। उसके कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। बुधवार रात अन्य छात्राएं मेस में खाना खाने जा रही थीं, तब उन्होंने देखा कि काजोल के कमरे का दरवाजा अब भी बंद है। परेशान छात्राओं ने झांक कर देखा तो काजोल छात्राओं के शोर मचाने पर वार्डन आ को बुला लिया। वहां के स्टाफ और दरवाजा तोड़कर देखा तो काजोल इसकी जानकारी मिलने पर एसपी सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि जांच रिपोर्ट और अन्य तथ्य के आधार पर के परिवार को सूचना दे दी गई है। थीं मौजूद- मुरादाबाद राजकीय धीरेंद्र कुमार यादव ने पुलिस को काजोल के अलावा दो और छात्राएं निशा और रामपुर निवासी आशा भी एक सेमेस्टर के बाद वापस ही नहीं पहले पिता के बीमार होने के कारण छात्राओं से कम बातचीत करती थी छात्राओं व प्रिंसिपल से जानकारी

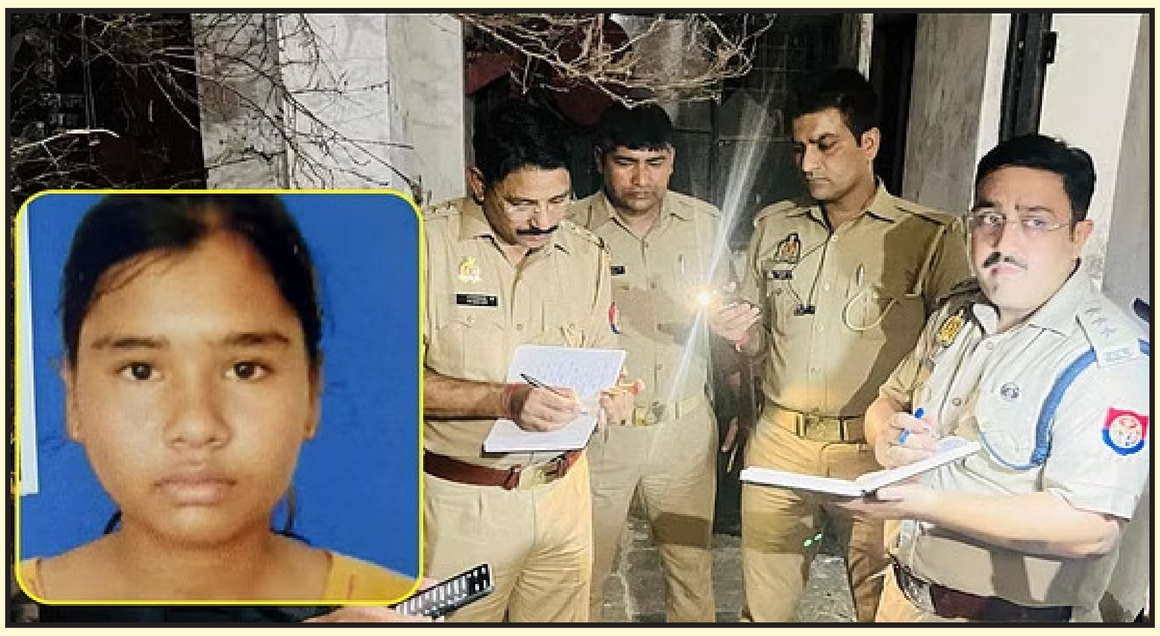

दुपट्टे के सहारे लटकी दिखाई दी। गईं और उन्होंने सूचना देकर प्रिंसिपल वार्डन ने पीआरडी जवान के सामने दुपट्टे के सहारे पंखे से लटकी थी। सिटी अखिलेश भदौरिया और मौके पर पहुंच गए। सीओ सिविल पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम आगे की कार्रवाई की जाएगी। छात्रा काजोल की दोनों रूम पार्टनर नहीं महिला पॉलीटेक्निक के प्रिंसिपल बताया कि हॉस्टल के कमरे में रहती थीं। बिजनौर के नगीना निवासी काजोल के साथ रहती थीं। आशा आई। दूसरी छात्रा निशा दस दिन पढ़ाई छोड़कर घर चली गई। अन्य छात्रा- पुलिस की जांच पड़ताल और मिलने पर पता चला है कि छात्रा यहां 16 सितंबर 2023 को आई थी। पहले उसके रूम में दो अन्य छात्राएं रहती थीं, लेकिन वह दोनों ही छात्राएं चली गईं। अब छात्रा अकेले ही रहती थी। ये भी जानकारी मिली है कि छात्रा अन्य छात्राओं से कम ही बातचीत करती थी। छात्रा का मोबाइल खोलेगा राज- पुलिस को छात्रा के कमरे से एक मोबाइल मिला है। पुलिस ने इस मोबाइल को कब्जे में ले लिया है। पुलिस छात्रा के मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवा रही है। जिससे पता चल सकेगा कि छात्रा ने अंतिम कॉल किसे की थी और कितनी लंबी बातचीत हुई। प्लीज सर...वह जिंदा है, जल्दी दरवाजा तोड़कर उसे बचा लीजिए प्लीज सर...वह जिंदा है। जल्दी से दरवाजा तोड़ दीजिए और बचा लीजिए। वह बच जाएगी सर...। काजोल के जीवित होने की उम्मीद में उसकी साथी छात्राएं इन्हीं शब्दों को बोलकर बार-बार प्रधानाचार्य, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों से गुहार लगा रहीं थीं। लेकिन वह उन्हें इस तरह छोड़कर चली जाएगी, ऐसी किसी को उम्मीद नहीं थी। काजोल के आत्मघाती कदम उठाने के बाद बृहस्पतिवार शाम तक छात्राएं खुद को संभाल नहीं पा रही थीं। प्रधानाचार्य और अन्य शिक्षक छात्राओं से मिलकर उनको हिम्मत दे रहे थे। हमेशा छात्राओं की हंसी-ठिठौली से गुलजार रहने वाला राजकीय महिला पॉलीटेक्निक के छात्रावास का ब्लॉक सी बृहस्पतिवार को एकदम सन्नाटे में था। 35 छात्राओं वाले ब्लॉक में मुश्किल से दस-12 ही छात्राएं थीं। क्लास में उसके साथ बैठने वाली छात्रा आरती और खुशी बदहवास हैं। किसी के पूछने पर भी वह बोल नहीं पा रही हैं। उनकी आंखों से सिर्फ आंसू बह रहे हैं। काजोल अब उनके साथ नहीं है, इस बात पर वह विश्वास नहीं कर पा रही हैं। अन्य छात्राएं व शिक्षिकाएं इस विपरीत परिस्थिति से निकलने के लिए उनका हौसला बढ़ा रही हैं। छात्रावास की हैड गर्ल्स व कंप्यूटर साइंस तृतीय वर्ष की छात्रा सोलांकी ने बताया कि कमरा नंबर नौ की छात्राओं ने दरवाजा खटखटाया था। उसके फोन पर कॉल की, लेकिन उसने रिसीव नहीं की। जवाब नहीं मिलने पर दरवाजे के एक छेद से झांककर देखा तो काजोल फंदे से लटकी हुई थी। इसके बावजूद हम सभी को यह उम्मीद थी कि काजोल को कुछ नहीं होगा। वह बच जाएगी, लेकिन दरवाजा तोड़ने पर जब सब अंदर गए तो देखा कि कालोज के साथ हमारी उम्मीदें भी मर गईं। न खाना खाया और न रात भर सोईं- सोलांकी ने बताया कि जो छात्राएं खाना खाने से रह गई थीं, उन्होंने बाद में न तो खाना खाया और न ही पूरी रात कोई छात्रा सो पाई। छात्रा रिया सक्सेना ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह कक्षाओं का संचालन किया गया था, लेकिन बाद में छुट्टी कर दी गई। क्योंकि घटना के बाद से सभी छात्राएं डरी हुई हैं। निशिका मिश्रा ने बताया कि दिन में खाना खाया है, लेकिन किसी को अच्छा नहीं लग रहा है। इस हादसे से उबरने में वक्त लगेगा। 30 छात्राओं ने छोड़ा हॉस्टल- प्रधानाचार्य धीरेंद्र कुमार यादव का कहना है कि संस्था में 450 छात्राएं अध्ययनरत हैं। इनमें से छात्रावास में 156 छात्राएं रहती हैं। घटना के बाद से अन्य छात्राएं डरी हुई हैं। अभिभावकों को भी उनकी चिंता हो रही है। अभिभावक छात्राओं को वापस घर आने की कह रहे हैं। इसलिए बृहस्पतिवार को छात्रावास की 30 छात्राएं अपने घर लौट गई हैं। ब्लॉक सी की कुछ छात्राओं को अभी रोका गया है, क्योंकि मामले की जांच चल रही है। पुलिस अधिकारी छात्राओं के बयान लेने भी आ सकते हैं। जांच पूरी होने के बाद यदि कोई छात्रा घर जाना चाहेगी तो उसे भेज दिया जाएगा। चार भाइयों की इकलौती बहन थी काजोल- बेटी की मौत की खबर मिलने पर पिता हलकुट्टा, मां सुनीता अपने रिश्तेदार के साथ बृहस्पतिवार रात मुरादाबाद पहुंच गए और उन्होंने सिविल लाइंस थाने पहुंचकर थाना प्रभारी आरपी शर्मा से मिलकर पूरे मामले की जानकारी ली। इसके अलावा कॉलेज जाकर भी पूछताछ की। पिता ने बताया कि काजोल के चार बड़े भाई हरि मिलन, रघुवीर, अजय और सुरेंद्र हैं। एक भाई फरीदाबाद में सिलाई का काम करता है। शेष भाई गांव में ही रहकर खेतीबाड़ी करते हैं। काजोल की मौत के बाद से पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता हलकुट्टा ने कहा कि उनकी बेटी की मौत की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पिता का कहना है कि चारों भाई छोटी बहन को बड़ी उम्मीद के पढ़ा रहे थे। भाइयों का कहना है कि उनका सपना था कि हमारी बहन पढ़ लिखकर अफसर बनेगी तो हमारा नाम रोशन होगा।

संक्षिप्त समाचार

फैक्टरी के गार्ड की गोली लगने से मौत, अफरा-तफरी के बीच मचा हंगामा, पुलिस मौके पर पहुंची

मुरादाबाद की एक फैक्टरी में गार्ड की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ ने बताया कि कारणों का पता लगाया जा रहा है।

लाकड़ा फाजल पुर स्थित एक फैक्टरी गार्ड की गोली लगने से मौत हो गई। हादसा कैसे हुआ इसके बारे में पुलिस पता लगा रहा है। फिलहाल गार्ड के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।पुलिस ने बताया कि प्रकाश नगर लाइन पार निवासी उमेश चौहान लाकड़ी फाजल स्थित एक फैक्टरी में गार्ड की नौकरी करता था। शुक्रवार सुबह वह अपनी बंदूक लेने के लिए गार्ड रूम में आया। कर्मचारियों का कहना है कि वह बंदूक चेक कर रहा था इसी समय गोली चल गई। पुलिस ने बताया कि सीने में गोली लगने के कारण गार्ड की जान गई है। फैक्टरी के मुख्य सुरक्षा अधिकारी का कहना है कि मृतक लंबे समय से बीमार चल रहा था। पांच मई के बाद वह ड्यूटी पर नहीं आ रहा था। सुबह वह बंदूक लेने आया था। घटना की सूचना मिलने के बाद सीओ ने मौके का मुआयना किया। मामले में फॉरेसिक टीम जांच कर रही है।

प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म, ससुर भी करता था छेड़छाड़...FIR दज

एसएसपी के आदेश पर पति समेत पांच पर दर्ज हुई एफआईआर

मुरादाबाद- महिला दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी युवक मुहल्ले का ही बताया जा रहा है। आरोप है कि युवक ने पहले महिला को प्रेमजाल में फंसाया और फिर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। गर्भवती होने पर उसका गर्भपात करा दिया।

जेल जाने के डर से निकाह भी कर लिया था। कुछ समय बाद दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। महिला का आरोप है कि ससुर ने भी उसके साथ छेड़छाड़ और अश्लीलता की।हरथला चौकी क्षेत्र निवासी पीड़िता ने सिविल लाइन थाना पुलिस को बताया है कि हरथला के ही विद्यानगर क्षेत्र निवासी युवक ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब वह गर्भवती हुई तो आरोपी ने कहा कि गर्भपात करा दो फिर वह निकाह कर लेगा। आरोप है कि गर्भपात कराने के बाद भी आरोपी ने निकाह नहीं किया। शिकायत पुलिस से की तो आरोपी ने 29 मार्च 2023 को निकाह कर लिया। पीड़िता के मुताबिक, कुछ दिनों तक सबकुछ ठीक चला लेकिन, इसके बाद आरोपी और उसके परिवार वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे थे। 29 अगस्त 2023 को ससुर, सास, ननद और देवर ने मारपीट कर जान से मारने की कोशिश की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने उसका मेडिकल कराया था लेकिन, फिर माफी मांगकर ससुराल वाले पीड़िता को राजी कर लिए थे।आरोप है कि 9 मई को सुबह करीब 11 बजे ससुर ने पीड़िता के कमरे में घुसकर उसके साथ छेड़छाड़ और अश्लीलता की। पीड़िता ने बताया कि उसने 112 पर कॉल कर शिकायत की थी तो पुलिस वाले उसे थाने ले गए थे। तहरीर दी थी लेकिन, रिपोर्ट नहीं लिखी गई थी। अब एसएसपी के निर्देश पर उसके मामले में एफआईआर दर्ज हुई है। सिविल लाइन थानाध्यक्ष राम प्रसाद शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी पति, सास-ससुर समेत पांच के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है

सपा कार्यालय पर मनाई गई अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

प्रेम, समर्पण व करुणा की मूर्ति थीं वीरांगना रानी अहिल्याबाई होलकर

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर शुक्रवार को लोकमाता वीरांगना रानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती मनाई गई। विचार गोष्ठी में अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर प्रकाश डाला गया। जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव और अन्य पदाधिकारियों ने वीरांगना अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर पुष्पार्चन व माल्यार्पण कर नमन किया।उन्होंने कहा कि प्रेम समर्पण और करुणा की मूर्ति महान वीरांगना रानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर हम सभी उन्हें शत शत नमन करते हैं। उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत के प्रसिद्ध तीर्थो और स्थानों पर मंदिर और घाट बनवाया। कुओं और बावड़ियों का निर्माण कराया,

सड़कों का निर्माण कराया। मानव सेवा के लिए कई कार्य किए। हम सभी उनको नमन करते हुए उनके सिखाए हुए सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लेते हैं।

इस दौरान लाखन सिंह सैनी, विजयवीर सिंह यादव, फुरकान अली, जुगल किशोर वाल्मीकि, विक्रम सिंह यादव, वेद प्रकाश सैनी, प्रेम बाबू वाल्मीकि, फरीद मलिक, फाजिल मलिक, महेंद्रपाल सिंह, वीर सिंह यादव, केदार सिंह, वीरेंद्र प्रसाद, भूरा कुरैशी, दीपक विश्नोई, सुनीता सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रॉपर्टी डीलर पिता के बाद अब बेटे का मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

मुरादाबाद। पाकबड़ा थाना क्षेत्र में सेक्टर-5 में युवक का शव मिला है। पूरे क्षेत्र के लोगों में सनसनी का माहौल है। शव की पहचान इश्तिकार (22) पुत्र अल्ताफ के रूप में हुई है। मृतक

इश्तिकार मोहल्ला बुद्ध बाजार में चामुंडा देवी सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के पास का निवासी है। पांच महीने पहले जनवरी में इश्तिकार के पिता अल्ताफ की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी।अल्ताफ प्रॉपर्टी डीलर थे। वह दोस्तों संग कलियर घूमने गए थे। दोस्तों ने पुलिस को बताया था कि अल्ताफ का अचानक नहर में पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गए थे। बेटे इश्तिकार की मौत के बाद अब स्वर्गीय अल्ताफ के परिवार में पत्नी शहजादी और बच्चों में शादाब, मैराब, रब्बानी व बेटी रवीना हैं। मौके पर थाना पुलिस घटना का कारण जांचने में जुटी है। एएसपी/सीओ हाईवे अमरिंदर सिंह और पाकबड़ा थानाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि इश्तिकार की मौत नशे के ओवरडोज से हुई है। चूंकि उसके शव के पास उसका मोबाइल और चप्पल मिले हैं और शव पर चोट जैसे कोई निशान नहीं हैं। परिजन का कहना है कि इश्तिकार गुरुवार सुबह घर से निकला था, फिर लौटकर नहीं आया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

12वीं के छात्र की हत्या के बाद गरमाया माहौल, युवकों ने निकाला जुलूस... हंगामा और तोड़फोड़, तीन पर रिपोर्ट

पाली थाना क्षेत्र में किशोर ने 12वीं के छात्र को तमंचे से गोली मार दी। अस्पताल में इलाज के दौरान छात्र की मौत हो गई थी। इसको लेकर शुक्रवार सुबह युवकों की भीड़ ने जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की।हरदोई जिले के पाली कस्बे के मोहल्ला बिरहाना में पांच दिन पहले हुए विवाद में बृहस्पतिवार शाम 12वीं के छात्र को एक किशोर ने तमंचे से गोली मार दी। घायल छात्र की

अस्पताल में मौत हो गई। शुक्रवार सुबह से छात्र की हत्या के मामले में माहौल गरमाया रहा।छात्र को श्रद्धांजलि अर्पित करने को लेकर एक वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सुबह नौ बजे पंथवारी देवी मंदिर पर एकत्रित होने को आह्वान किया गया था। इसके बाद मंदिर पर लगभग 200-300 युवक एकत्र हो गए। इसके बाद भीड़ ने जुलूस निकाला। इस दौरान जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की। एक गाड़ी के शीशे भी तोड़ डाले। वहीं, हत्यारोपी युवक के घर भी जमकर पथराव किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और भीड़ को रोकने का प्रयास किया। पथराव में कुछ लोग भी घायल हुए हैं। तीन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज- पुलिस अधिकारियों ने भीड़ को समझाकर शांत कराया। साथ ही, जल्द से जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया। पुलिस ने मामले में तीन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं, तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है। ये था पूरा मामला- पाली थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर निवासी संजय सिंह का पुत्र युवराज (17) 12वीं का छात्र था। बृहस्पतिवार शाम वह पाली कस्बे के मोहल्ला बिरहाना में निर्माणाधीन पुलिस चौकी के पास खड़ा था। इसी दौरान उसके परिचित का एक किशोर आया। सीने में तमंचे से गोली मार दी- पांच दिन पहले एक किशोरी को लेकर हुए विवाद में दोनों के बीच फिर नोकझोंक हुई। इस दौरान किशोर ने युवराज के सीने में तमंचे से गोली मार दी। गोली लगने के बाद लगभग 100 मीटर तक युवराज भागा और फिर गिर पड़ा। इसी बीच उसका एक दोस्त वहां पहुंचा। डॉक्टर और फार्मासिस्ट नहीं मिले- उसने पुलिस को सूचना दी और घायल को लेकर पीएचसी पाली पहुंचा। वहां डॉक्टर और फार्मासिस्ट नहीं मिले। इसके बाद पुलिस ने एम्बुलेंस भी खोजी, लेकिन एम्बुलेंस भी नहीं थी। पुलिस अपने वाहन से घायल को सीएचसी सवायजपुर ले गई, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। देर शाम युवराज की मौत हो गई।

तापमान का नया रिकॉर्ड...'मुरादाबाद का पाता पहुंचा 45 डिग्री, 25 साल बाद सबसे ज्यादा गर्म दिन रात

मुरादाबाद में भीषण गर्मी का कहर जारी है। शुक्रवार को सुबह से ही लू का प्रकोप जारी है। इसके चलते सड़कों से वाहन और लोग नदारत हैं। चारों तरफ सुनसानी छाई हुई है। इससे पहले 30 मई 25

साल में सबसे गर्म दिन व रात रही। बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री और न्यूनतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार इससे पहले वर्ष 1999 में 45 डिग्री के आसपास तापमान रहा था, क्योंकि उस वर्ष सूखा पड़ा था।आजकल आसमान से बरसती आग से जीना दूभर हो गया है। इंसान ही नहीं, पशु-पक्षी भी बेहाल हैं। भीषण गर्मी से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। हीट वेव और लू के थपेड़े बैचेनी बढ़ा रहे हैं। 21वीं सदी में इतनी भयंकर गर्मी पड़ रही है। सूरज निकलने के साथ धूप की जो तपिश शुरू होती है, वह आधी रात तक बरकरार रहती है। सुबह दस बजे के बाद से कालोनियों में

सन्नाटा पसर जाता है।दोपहर के समय बाजारों में और प्रमुख चौराहों पर इक्का-दुक्का दोपहिया वाहन चालक नजर आते हैं। दोपहिया वाहन चालक सूती कपड़े से खुद को लपेटे हुए होते हैं, इसके बावजूद गर्मी से राहत नहीं मिलती है। स्थिति यह है कि रात 11 बजे भी गर्म हवाएं झुलसाती हैं। रात को भीषण गर्मी सोने नहीं दे रही है। पंखा और कूलर की हवा भी ठंडी नहीं लग रही है।सामान्य से छह डिग्री अधिक तापमान- मौसम विज्ञान विभाग के डाटा संग्रह केंद्र के अधिकारियों के अनुसार बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में 1.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान में 2.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई।अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री और न्यूनतम तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री सेल्सियस अधिक है। बृहस्पतिवार सुबह वातावरण में नमी 44 फीसदी थी, जो शाम को घटकर 25 डिग्री सेल्सियस रह गई। दिन में हवाओं का रुख भी बदलाव। सुबह हवा पूरब दिशा से पश्चिम दिशा में और शाम को पश्चिम दिशा से पूरब दिशा में पांच से दस किलोमीटर प्रति घंटा की गति से रही।30 दिन में लगभग दस डिग्री बढ़ा तापमान- पिछले माह 30 अप्रैल को न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मई माह की शुरुआत से ही अधिकतम के साथ न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होती गई। बृहस्पतिवार को 30 मई को न्यूनतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इन 30 दिनों में न्यूनतम तापमान में लगभग दस डिग्री की बढ़ोतरी हुई। चिकित्सकों के अनुसार रात को तापमान बढ़ने की वजह से लोगों को बेचैनी और अनिद्रा की समस्या हो रही है।

बरेली में हादसा: रामगंगा नदी पार कर रहीं तीन लड़कियां डूबीं, दो की मौत, एक को बचाया गया

बरेली के फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में शुक्रवार को रामगंगा नदी में डूबने से दो लड़कियों की मौत हो गई। ये दोनों एक अन्य लड़की के साथ नदी पार कर रही थीं, तभी गड्ढे में डूब गईं। तीसरी लड़की को बचा लिया गया। बरेली के फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दर्दनाक घटना घटित हुई। रामगंगा नदी पार रहीं तीन लड़कियां गहरे पानी में बह गईं। इनमें एक लड़की को बचा लिया गया, जबकि दो की डूबकर मौत हो गई। ग्रामीणों ने दोनों शवों को नदी से निकाला। घटना से उनके परिवारों में कोहराम मच गया। फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में गौतरा का टोला प्रेम गौंटिया के पास रामगंगा नदी पर पुल का निर्माण हो रहा है। पुल निर्माण के लिए जेसीबी से नदी के अंदर से रेत निकाला गया है। रेत निकाले जाने से वहां पर गहरा गड्ढा हो गया है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को तीन लड़कियां नदी के पार पालेज पर गई थीं। वहां से तरबूज और खरबूज लेकर नदी पार कर रही थीं। एक लड़की को ग्रामीणों ने बचाया - नदी में गड्ढा है, इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। नदी पार करते वक्त तीनों लड़कियां गड्ढे में चली गईं। दो की डूबने से मौत हो गई। वहां मौजूद लोगों ने एक लड़की को बचा लिया। मृतक लड़कियों में 10 वर्षीय सलोनी पुत्री अनिल गंगवार निवासी ग्राम बीरपुर थाना भोजीपुरा की रहने वाली थी, जो अपनी बुआ के पास गांव गौतरा आई थी। दूसरी मृतक लड़की 15 वर्षीय कुसुम पुत्री मांसीलाल निवासी गांव कासमपुर थाना देवरनिया क्षेत्र की थी। यह मौसी के यहां ग्राम गौतरा आई थी। तीसरी लड़की, जिसे ग्रामीणों ने बचा लिया, वह 17 वर्षीय मंगला पुत्री मनोहर लाल निवासी गांव गौतरा प्रेम गोटिया की है। इंस्पेक्टर फतेहगंज पश्चिमी ने मौके पर जाकर बचाव कार्य कराया।

सौतेला पिता बना हैवान: नाबालिग बेटी के संग किया घिनौना काम, कोर्ट ने सुनाई कठोर सजा

नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म करने के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। सौतेले पिता को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सख्त सजा सुनाई है। सजा सुनते ही दोषी कोर्ट में फूट-फूटकर रोने लगा।मथुरा में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो राम किशोर यादव की कोर्ट से सौतेली बेटी से दुष्कर्म के दोष में पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। सजा सुनते ही दोषी कोर्ट में फूट-फूटकर रोने लगा।प्रकरण थाना जमुनापार से संबंधित है। 12 वर्षीय बच्ची की मां ने मुकदमा दर्ज कराया था कि 25 अप्रैल 2022 को वह अपने बेटे को लेकर आधार कार्ड बनवाने गई थी। घर में पति पिंटू उर्फ अमित शर्मा था। उसने 12 साल की बेटी को पानी के बहाने रसोई घर में बुलाया। वहां उसके साथ गलत काम किया। जब वह घर लौटीं तो बेटी ने पूरी घटना बताई। इस संबंध में थाना जमुनापार में मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचना कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने व कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने की कार्रवाई की। स्पेशल डीजीसी अलका उपमन्यु ने बताया कि अभियोजन ने कोर्ट में पीड़िता के बयान कराए, साथ ही मुकदमा वादी मां, विवेचक, मुकदमा लेखक, प्रधानाध्यापक और डॉक्टर के बयान कराए। इस मुकदमे की सबसे खास बात यह रही कि अभियोजन ने कोर्ट में गवाहों के आधार पर मुकदमा साबित किया। उसी आधार पर कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। कोर्ट में फूट-फूटकर रोया दोषी- अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के समय दोषी पिंटू उर्फ अमित शर्मा अदालत में मौजूद था। उसकी मां भी वहां मौजूद थी। कोर्ट द्वारा जैसे ही सजा का ऐलान किया गया। दोषी और उसकी मां के आंसू छलक पड़े। दोषी फूट-फूटकर कोर्ट में रोने लगा। पीड़ित बच्ची की मां ने अमित से की थी तीसरी शादी- पीड़ित बच्ची की मां ने अमित से तीसरी शादी की थी। उसने अपने पहले दो पतियों को छोड़ दिया था। बचाव पक्ष कोर्ट में इस मुकदमे के पीछे मकान हड़पने की साजिश को साबित करने में लगा रहा। मगर, बचाव पक्ष इस संबंध में मजबूत साक्ष्य पेश नहीं कर सका।

हीट स्ट्रोक के चलते मुख्य आरक्षी की मौत, पुलिस महकमे में शोक की लहर, परिवार में मचा कोहराम

बिजनौर में हीट स्ट्रोक के चलते मुख्य आरक्षी की मौत हो गई। इससे पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। उधर, मृतक के परिवार में कोहराम मचा है।बिजनौर जनपद के रेहड़ में हीट स्ट्रोक के चलते अचानक तबीयत खराब होने से चालक मुख्य आरक्षी की मौत हो गई। मौत की खबर मिलने से मृतक के परिवार सहित पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। अधिकारियों ने मृतक के परिजनों की मांग के मुताबिक, अग्रिम कार्रवाई करने की बात कही है।जनपद बिजनौर के कस्बा रेहड़ थाने में तैनात चालक पद पर तैनात मुख्य आरक्षी राकेश कुमार शर्मा की बृहस्पतिवार की शाम को अचानक तबीयत खराब हो गई। सहकर्मी पुलिस स्टाफ ने तत्काल राकेश शर्मा को 108 ऐंबुलेंस की मदद से सीएचसी अफजलगढ़ में भर्ती कराया। जहां से चिकित्सक ने राकेश शर्मा की हालत नाजुक बताते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक धीरज सोलंकी ने बताया कि राकेश शर्मा को मुरादाबाद स्थित निजी अस्पताल में भर्ती

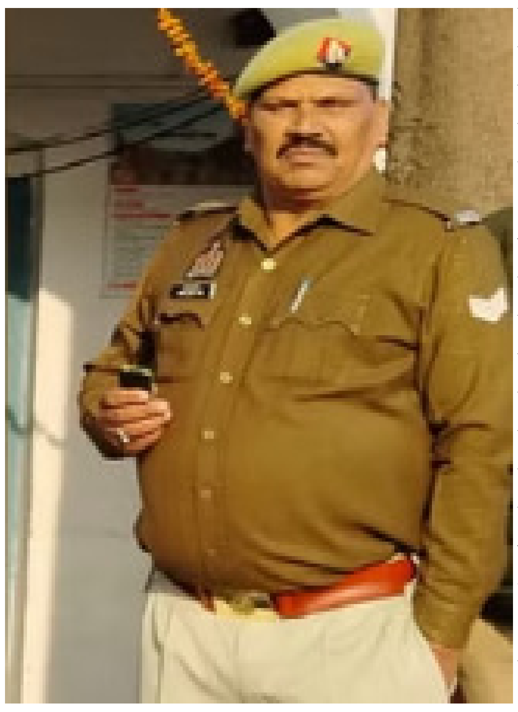

कराते हुए परिजनों को सूचित किया। वहीं, शुक्रवार सुबह उपचार के दौरान राकेश शर्मा की मौत हो गई। चिकित्सकों के मुताबिक, राकेश शर्मा की मौत का कारण हीट स्ट्रोक से होना बताया जा रहा है। राकेश शर्मा की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।उधर, पुलिस महकमे में भी शोक की लहर है। एसओ रेहड़ के मुताबिक, राकेश कुमार शर्मा जनपद रामपुर के कस्बा, थाना मिलक के निवासी थी, जो लगभग डेढ़ वर्ष से रेहड़ थाना में चालक के पद पर तैनात थे। राकेश कुमार शर्मा के निधन पर क्षेत्रवासियों में शोक की लहर है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट का अहम फैसला, अंतरधार्मिक जोड़े को बिना धर्म बदले विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी की अनुमति

याची ने कहा कि दोनों ने विवाह की न्यूनतम निर्धारित आयु पूरी कर ली है। वह विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी करना चाहते हैं। प्रतिवादियों से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। ऐसे में जब तक उन्हें सुरक्षा नहीं दी जाती, वे शादी नहीं कर पा रहे हैं।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे अंतरधार्मिक जोड़े को विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी की

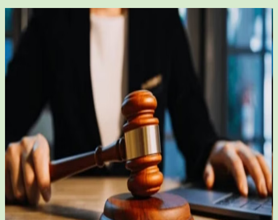

अनुमति दे दी। कहा, अगली तारीख तक शादी करने के बाद पूरक हलफनामे संग दस्तावेजी सबूत दाखिल करें। यह आदेश न्यायमूर्ति ज्योत्सना शर्मा ने हापुड़ (पंचशील नगर) के जोड़े की सुरक्षा देने की दाखिल याचिका पर दिया है।याची ने कहा कि दोनों ने विवाह की न्यूनतम निर्धारित आयु पूरी कर ली है। वह विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी करना चाहते हैं। प्रतिवादियों से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। ऐसे में जब तक उन्हें सुरक्षा नहीं दी जाती, वे शादी नहीं कर पा रहे हैं। वहीं, स्थायी वकील ने दलील दी कि याचिकाकर्ताओं ने समझौते के अनुसार शादी कर ली है। ऐसी शादी को कानून में मान्यता नहीं है। इसलिए कोई सुरक्षा नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि प्रतिवादियों की ओर से याचिकाकर्ताओं के जीवन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई नुकसान न पहुंचाया जाए। साथ ही कहा कि अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ता विशेष विवाह अधिनियम के प्रावधानों के तहत शादी कर पूरक हलफनामे के साथ सबूत दाखिल करे।

यूट्यूब पर खोजा नाइट्रोजन से आत्महत्या का तरीका... सुसाइड नोट में सिद्धार्थ ने दो और तरीकों की बात की

सिद्धार्थ खुराना ने ये भी पता करने की कोशिश की कि आत्महत्या के किस तरीके में कितना वक्त लगेगा, किसमें कितनी तकलीफ होगी और खुदकुशी के बाद शरीर पर क्या असर पड़ेगा।मैंने यू-ट्यूब पर खुदकुशी करने के तरीके सर्च किए...जिसमें कई तरीके देखे...अधिकतर तरीके ऐसे थे जिनसे मौत बेहद दर्दनाक होती..। तभी नाइट्रोजन से किस तरह आत्महत्या की जा सकती है, ये देखा। फिर यही तरीका अपना रहा हूं। ये इसलिए..ताकि मौत आसान हो।हैरान करने वाले तरीके से खुदकुशी करने को लेकर सिद्धार्थ ने ये बातें सुसाइड नोट में लिखी हैं। सुसाइड नोट के मुताबिक उसने इसके अलावा दो और तरीके से सुसाइड करने के बारे में सर्च किया, जिसमें पहला था जहर खाकर और दूसरा था फांसी लगाकर।ये भी पता करने की कोशिश की कि किसमें कितना वक्त लगेगा, किसमें कितनी तकलीफ होगी और खुदकुशी के बाद शरीर पर क्या असर पड़ेगा। नाइट्रोजन से खुदकुशी के बारे में सर्च करने पर जब पता चला कि महज 40-50 सेकंड में ही मौत हो जाएगी, तो उसने यही तरीका जान देने के लिए तय किया। भोपाल में रह रहे लखनऊ के आईटी प्रोफेशनल सिद्धार्थ खुराना ने नाइट्रोजन सिलेंडर की मदद से आत्महत्या कर ली। महानगर निवासी किराना व्यापारी अरुण खुराना का बेटा सिद्धार्थ भोपाल में मिसेदा थानाक्षेत्र स्थित निरूपम रॉयल इमारत के फ्लैट में किराये पर रहता था। सिद्धार्थ पहले आईटी कंपनी में काम करते थे, लेकिन छह महीने से वर्क फ्रॉम होम कर रहे थे। कब्जे में लिया मोबाइल- स्थानीय पुलिस ने सिद्धार्थ का मोबाइल कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है। पुलिस उसके साथ रहने वाली महिला मित्र से भी पूछताछ कर उनके बयान दर्ज करेगी। सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग की भी फोरेंसिक जांच की जाएगी। पुलिस तफ्तीश कर पता करेगी कि खुदकुशी की वजह कोई शख्स तो नहीं? अगर इससे संबंधित कोई साक्ष्य मिलते हैं तो पुलिस उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी। खुदकुशी की वजह गंभीर बीमारी या फिर कोई और कारण- पुलिस को सिद्धार्थ के परिजनों ने बताया कि उनका बेटा गंभीर बीमारी की वजह से परेशान चल रहा था। अब सवाल है कि क्या खुदकुशी करने के पीछे यही बीमारी है। या फिर कोई और कारण। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ये स्पष्ट हो सकेगा।

महाश्मशान पर शवों का लगा महाजाम, 300 पहुंची संख्या, 5-6 घंटे इंतजार के बाद मिल रहा शवदाह का नंबर

घाटों पर शवों को एक के बाद एक रखकर उनका अंतिम संस्कार कराया जा रहा है।वाराणसी के महाश्मशान मणिकर्णिका पर शवदाह के लिए महाजाम की स्थिति बन गई है। घाट से लेकर गलियों

तक शवयात्रियों की भीड़ लगी हुई है। तीन दिनों में तापमान बढ़ने के बाद शवदाह के लिए आने वालों की संख्या में पांच गुना का इजाफा हुआ है। गुरुवार की मध्य रात्रि में तो शवयात्रियों की भीड़ ऐसी उमड़ी की घाट से लकड़ियां और पूजन सामग्री तक की किल्लत हो गई। बीती रात लगभग तीन सौ से अधिक शवों का अंतिम संस्कार किया गया।शुक्रवार की दोपहर तक मणिकर्णिका घाट पर शवदाह के लिए अनवरत कतार लगी रही। तापमान में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी के बाद मणिकर्णिका घाट पर बीती रात शवदाह करने वालों की लंबी लाइन लग गई थी। हालत यह हो गई कि मैदागिन के साथ ही भैंसासुर घाट से लेकर मणिकर्णिका तक शवयात्री ही नजर आ रहे थे। जगह कम होने और भीड़ अधिक होने के कारण एक शव को जलाने के लिए पांच से छह घंटे का इंतजार करना पड़ रहा था और दूसरी ओर से शवयात्रियों के आने का सिलसिला भी बना हुआ है। मशान नाथ सेवा समिति के संजय गुप्ता ने बताया कि भीड़ बढ़ने के कारण पहली बार मणिकर्णिका घाट से शवों को हरिश्चंद्र घाट के लिए रवाना कर दिया गया।महाश्मशाननाथ सेवा समिति के महामंत्री बिहारी लाल गुप्ता ने बताया कि गरमी बढ़ने के कारण दो दिनों में शवदाह के लिए भीड़ का दबाव अचानक बढ़ गया है। बीती रात तो भीड़ अप्रत्याशित हो गई। मणिकर्णिका घाट की ओर जाने वाली गली में से हर दो मिनट में एक शवयात्रा गुजर रही थी।घाट पर रहने वाले त्रिलोक नाथ भैरव ने बताया कि आम दिनों में शवयात्रियों की संख्या 50 से 60 होती है लेकिन बीती रात तीन सौ से अधिक शवयात्री घाट पर पहुंचे। आम दिनों की अपेक्षा पांच गुना अधिक संख्या बढ़ गई है। तापमान बढ़ने के कारण आसपास के जिलों में भी मरने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। डोम राजा ओम चौधरी ने बताया कि कोरोना काल के बाद यह पहला मौका है जब अचानक शवदाह करने वालों की भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ी है।

पोलिंग पार्टियों की रवानगी से पहले 30 बीमार, सात की मौत, मृतकों में पांच होमगार्ड; मचा हड़कंप

यूपी के मिर्जापुर में हुए इस घटना पर जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मृतकों के परिजन रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे। लोकसभा चुनाव के एक दिन पहले इतनी बड़ी खबर को लेकर विपक्षी पार्टियां भी अलर्ट हो गई हैं। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मृतकों के लिए मुआवजा देने का अनुरोध किया है। पड़ रही भीषण गर्मी और तपिश के बीच शुक्रवार को चुनावी ड्यूटी में जा रहे जवानों व अन्य

कर्मचारियों पर कहर बरपाया। पालीटेक्निक से रवाना होने के दौरान मतदान स्थल पर पहुंचते-पहुंचते कई लोग बीमार हो गये। जिनको उपचार के लिए अस्पताल लेकर आया गया। इसमें उपचार के दौरान पांच होमगार्ड, सीएमओ कार्यालय के एक लिपिक और एक सफाईकर्मी की मौत हो गई।21 सुरक्षाकर्मी समेत अन्य कर्मचारी को मिलाकर 30 से अधिक लोगों को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया।अचानक हुईं मौतो से हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, प्राचार्य मौके पर पहुंचे। बीमार लोगों का उपचार कराया गया। बता दें कि पिछले चार-पांच दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के चलते हर कोई परेशान हैं। शुक्रवार को पालीटेक्निक से रवाना हो रही पोलिंग पार्टियां भी गर्मी के कारण परेशान रहीं। पसीने से तरबतर लोग रवाना हुए। इस दौरान कई लोग गर्मी के चलते बीमार हुए, जिनको उपचार के लिए अस्पताल लाया गया।सुबह से बीमार लोग अस्पताल पहुंचना शुरू हो गए थे। दोपहर होते-होते पोलिंग पार्टियां मतदान स्थल पर पहुंचने लगीं तो बीमार होने वालों की संख्या भी बढ़ने लगी। अस्पताल पहुंचने पर होमगार्ड रामजियावन, सत्य प्रकाश, त्रिभुवन, रामकरन, बच्चाराम, लिपिक शिवपुजन श्रीवास्तव, सफाईकर्मी रवि प्रकाश की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना को यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने संज्ञान लिया है। इस मामले को लेकर उन्होंने सरकार पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया एक्स पर उन्होंने लिखा है कि मिर्ज़ापुर में पोलिंग पार्टियों के 7 कर्मियों की मौत की ख़बर बेहद दुखद है। सरकार अपना मौन तोड़े और बदइंतज़ामी की वजह से जिनके परिवार उजड़ गये हैं, उनको भावनात्मक राहत देने के लिए आगे आए। सरकार 5 होमगार्ड, सीएमओ कार्यालय के 1 लिपिक और 1 सफ़ाईकर्मी के परिवार के लिए तुरंत 5-5 करोड़ का मुआवज़ा घोषित करे और जो अन्य कर्मी गर्मी के कारण बीमार पड़ गये हैं उन सभी लोगों को अच्छे-से-अच्छा उपचार उपलब्ध कराए। इस सरकार में कर्मचारियों के जीवन का कोई मोल नहीं है। न उनको सही समय पर पे कमीशन के रिक्मंडेशन के हिसाब से वेतन मिल पा रहा है, न पुरानी पेंशन का लाभ। कर्मचारियों को अनावश्यक कामों में उलझाकर भी उन्हें तनावग्रस्त जीवन जीने के लिए मजबूर किया जा रहा है और सरकार के भ्रष्टाचार का ठीकरा भी उन्हीं कर्मियों और अधिकारियों के सर मढ़ा जा रहा है।

इस जिले में आंधी-तूफान से 1500 से अधिक गांवों की बिजली ठप, बहाल होने से लग सकते हैं एक-दो दिन

लखीमपुर खीरी में बृहस्पतिवार को आंधी-तूफान ने ऐसी तबाही मचाई, जिससे जिले के 1500 से अधिक गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। पेड़ गिरने से कई जगह तार गए हैं तो कई जगह खंभे टूट गए हैं। विद्युत निगम की टीम लाइन दुरुस्त करने में लगी है। लखीमपुर खीरी जिले में बृहस्पतिवार की देर शाम आए तूफान से बिजली व्यवस्था ध्वस्त हो गई। जिले के लखीमपुर, गोला, सिकंद्राबाद,

मोहम्मदी, बेहजम, मझगई आदि क्षेत्रों के 1500 से ज्यादा गांवों की बिजली सप्लाई बाधित हो गई। इन क्षेत्रों में विद्युत लाइनों पर भारी भरकम पेड़ उखड़कर गिर गए। पेड़ों के गिरने की वजह से लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं। इससे बृहस्पतिवार की देर शाम से शुक्रवार दोपहर तक बिजली व्यवस्था ठप रहा। बिजली विभाग इन क्षेत्रों में पेड़ों को कटवाकर लाइनों को दुरुस्त करने में जुटी हुआ है। सिकंद्राबाद विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत पांच फीडर से 200 से अधिक गांव को बिजली सप्लाई होती है। आंधी की वजह से पेड़ तार पर गिरे। दर्जनों खंभे टूट गए, जिससे आपूर्ति ठप हो गई। सिकंदराबाद के जेई शिवम पांडे ने बताया कि काम चल रहा है देर शाम तक सप्लाई बहाल होने की उम्मीद है। लखीमपुर शहर में आंधी-बारिश से शहर की बिजली व्यवस्था लड़खड़ा गई। शहर के पांच बिजली घर में सिर्फ कलेक्ट्रेट बिजलीघर की सप्लाई आ रही है। शेष बिजलीघर के आधे से अधिक मोहल्लों की रात से बत्ती गुल है। शहर के करीब 40 हजार से आदि उपभोक्ता भीषण गर्मी में बिना बिजली बेहाल हैं। लाइन सही करने में जुटी कई टीमें -लखीमपुर डिवीजन के ईई शैलेंद्र सिंह ने बताया कि आंधी से बहुत नुकसान हुआ है। मेल लाइट में लंबा फाल्ट है। छाउछा, गढ़ी आदि कई जगह तार टूटे हैं तो कई जगह खंभे टूटे हैं। हमारी टीम लगी हुई है। काम तेजी से चल रहा है। मोहम्मदी तहसील में तेज आंधी तूफान से सिसोरा निकूमपुर के पास तार टूटने से मेन लाइन में खराबी आ गई। इससे रात तक बिजली आपूर्ति गुलरिया, परवसतनगर, खजुहा, केहुआ, मगरेना, दुवाहा, भगेली, सिसोरा, निकूमपुर, बिलंदपुर बौआ, मजरा, नयागांव, मियांपुर कालोनी, रधोला, अटसार आदि गांवों की बिजली गुल रही है। बनवारीपुर उपकेंद्र से जुड़े फूलबेहड़ देहात इलाके के सैकड़ों गांवों की बिजली गुल है। छाउछ ट्रांसमिशन से जुड़ी 33 केवीए मेन लाइन के 7 और निचली लाइन के भी कई पोल टूटने से बिजली सप्लाई बिगड़ी है। बहाल होने में एक दो दिन लग सकते हैं।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9277776991

संक्षिप्त समाचार

कलयुगी मां ने नवजात बच्चे को कुएं में फेंका

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश- कुएं से बच्चे की रोने की आवाज सुनकर ग्रामीण कुएं के पास पहुंचे कुएं से बच्चे की आवाज सुनकर ग्रामीणों की लगी भीड़ ग्रामीणों ने कुएं में घुसकर बच्चे को सकुशल निकाला बाहर 10 फीट गहरे कुएं से बच्चे को ग्रामीणों ने रस्सी के साहरे तोलिया में रख निकाला बाहर ग्रामीणों के बाहर निकलने पर निकली बेटी बेटी पैदा होने पर कलयुगी मां के कुएं में फेंकने की ग्रामीण जता रहे आशंका ग्रामीणों की मदद से बच्चे को जिला अस्पताल लोहिया भेजा कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र के मॉडल शंकरपुर गांव का मामला

घर की पुताई के लिए मिट्टी लेने गए किशोर व युवती की तालाब में डूब कर मौत, घर में मचा कोहराम

बहराइच की तहसील मिहींपुरवा के एक गांव में तालाब की मिट्टी लेने गए एक किशोर व युवती की डूबने से मौत हो गई। घटना से कोहराम मच गया।बहराइच जिले की तहसील मिहींपुरवा अंतर्गत ग्राम पंचायत राजापुर कला के दर्जीनपूरवा निवासी शफीक (15) पुत्र राजू एवं मुस्कान (18) पुत्री मोहर्मअली घर की पुताई के लिए सरजू नदी से मिट्टी लेने गए थे जिनकी डूब कर मौत हो गई।शुक्रवार की सुबह सफीक व मुस्कान घर की पुताई के लिए चिकनी मिट्टी सरजू नदी से लेने गए थे जहां शफीक का पैर फिसलने से वह डूबने लगा उसे बचाने के लिए मुस्कान ने नदी में छलांग लगा दी जिससे दोनों की डूब कर मौत हो गई।तत्काल सूचना तहसील प्रशासन को दी गई।तहसीलदार अंबिका प्रसाद चौधरी राजस्व निरीक्षक के के श्रीवास्तव व लेखपाल विजय कुमार टीम सहित तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और काफी खोजबीन व मशक्कत के बाद 11 बजे दोनों के शवों को प्राप्त कर बाहर निकलवाया तथा पंचनामा भरकर थाना मोतीपुर पुलिस के द्वारा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शफीक के पिता ने बताया कि दोनों चिकनी मिट्टी लेने गए थे। जहां यह घटना हो गई। घर में इस घटना से दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। तहसीलदार अंबिका प्रसाद चौधरी ने बताया कि दोनों को आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता हेतु कार्रवाई की जाएगी।

यमुना नदी में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत, परिवार में मचा कोहराम

सहारनपुर में दो भाइयों की यमुना नदी में डूबने से मौत हो गई। दोनों की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।सहारनपुर के लखनौती में यमुना नदी पार कर खेत पर जा रहे दो सगे भाई गहरे पानी में डूब गए। निजी चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दो सगे भाइयों की अचानक हुई मौतों से परिजनों में कोहराम मचा है। परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के ही गमगीन माहौल में शवों को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया।कोतवाली क्षेत्र के गांव कुंडा कला निवासी कारी गुलफाम के बेटे समद (15), आहद (12) और गुलजार का बेटा अनस (8) तीनों शुक्रवार दोपहर खेत में घास लेने यमुना नदी पार करके जा रहे थे। भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए तीनों नदी में नहाने घुस गए। तभी छोटा भाई आहद पानी के गहरे गड्ढे में डूबने लगा तो समद उसे बचाने के लिए कूद पड़ा। गड्ढा अधिक गहरा होने के कारण समद उसे बचा न सका और दोनों डूबने लगे। यह देख अनस ने शोर मचा दिया, लेकिन नदी के आसपास कोई नहीं दिखा। इसके बाद अनस गांव की ओर दौड़ पड़ा और दोनों भाइयों के डूबने की सूचना ग्रामीणों को दी। गांव से बड़ी तातादा में ग्रामीण यमुना नदी की ओर दौड़ पड़े। नदी में काफी तलाश के बाद दोनों को बाहर निकाला गया। दोनों बच्चों को गांव के ही निजी चिकित्सक को दिखाया गया। वहीं, चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

अज्ञात वाहन ने मारी ठोकर या अनियंत्रित होकर खाई में गिरी बाइक चालक की हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती के इकौना क्षेत्र अंतर्गत भीषण सड़क हादसे में एक युवक की हुई मौत हो गई। मामला थाना इकौना क्षेत्र के भोजपुर गांव के पास सुबह सबेरे बहन के यहां से अपने घर को आ रहे विक्रम पासवान पुत्र बृजलाल पासवान उम्र करीब 25 की बाइक सड़क किनारे खाई में पड़ी ग्रामीणों ने देखा। क्षत्रिग्रस्त बाइक के पास झाड़ियों में युवक का शव भी पड़ा था। जिसकी सूचना ग्रामीणों के द्वारा सेमरी चौकी प्रभारी को दी मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी ने युवक के शव की शिनाख्त करवाने की कोशिश की कुछ देर बाद इकौना थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह भी पहुंचे वहीं घटना की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। मौके पर परिजनों ने पहुंच कर देखा तो विक्रम पासवान के रूप में शिनाख्त की। घटना स्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने बताया की मृतक युवक की बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त और उसका शव झाड़ियों में पड़ा था। किसी वाहन की ठोकर से हुआ की बाइक अनियंत्रित होकर खाई में गिरी जिससे विक्रम की मौत हुई। जांच का विषय है। फिलहाल पुलिस ने 100 का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

समाजवादी पार्टी आवास विकास महारानी अहिल्याबाई होल्कर की 299 बी जयंती मनाई गई

क्यूँ न लिखूँ सच
श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद -समाजवादी पार्टी आवास विकास महारानी अहिल्याबाई होल्कर की 299 बी जयंती मनाई गई जिसकी अध्यक्षता बृजेश पाल बृजेश पाल ने कहा जिला अध्यक्ष चंद्रपाल यादव ने कहा मराटा समग्र महारानी अहिल्याबाई कार्यकर्ताओ ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर हर्षोल्लास से उनकी जयंती अहिल्याबाई होल्कर जयंती जिला अध्यक्ष चंद्रपाल यादव जिला महासचिव इलियास मंसूरी जिला उपाध्यक्ष बृजेश पाल जिला सचिव रामपाल यादव विमलेश बर्मा नितिन पाल अनीता पाल रजनीश सक्सेना

जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्ट्रांगरूम एवं मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव का मतदान 25 मई, 2024 को सकुशल रूप से संपन्न हो चुका है। ईवीएम व वीवीपैट को कलेक्ट्रेट स्थित स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया है। स्ट्रांग रूम की 24 घंटे सतत रूप से निगरानी की जा रही है। जिसका जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका शर्मा ने निरीक्षण कर जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने उपस्थिति एवं एंट्री पंजिकाओं का अवलोकन किया तथा सीसीटीवी से की जा रही निगरानी एवं अन्य व्यवस्थाओं को जांच की। उन्होने सीसीटीवी कन्ट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। कैमरे सुचारू रूप से संचालित पाये गये। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में बनाये गये मतगणना स्थल का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने सम्बन्धित को आवश्यक व्यवस्था समय सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होने निर्देशित किया कि स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल पर जो भी कार्य शेष है।उसको समयान्तर्गत मतगणना दिवस से पहले ही पूर्ण करा लिया जाय, इसके अतिरिक्त परिसर की साफ-सफाई, विद्युत एवं प्रकाश, शौचालय, सी0सी0टी0वी0 कैमरे, मतगणना स्थल पर इसमें किसी प्रकार का अवरोधक उत्पन्न न हो इसके लिए स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक जाने हेतु बैरीकेटिंग का कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि मतगणना स्थल पर निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नही होगी।

एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट को मिला बेस्ट सेन्टर अवार्ड

क्यूँ न लिखूँ सच
श्याम जी कश्यप

जनपद फर्रुखाबाद- श्री विश्वनाथ सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा संचालित आईसेक्ट के अधिकृत प्रशिक्षण केन्द्र एशियन कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट को एक बार पुनः बेस्ट सेंटर अवार्ड से सम्मानित गया है। डॉ भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ में संम्पन्न कार्यक्रम में आईसेक्ट के जोनल डायरेक्टर अरविन्द चतुर्वेदी, स्टेट हेड लियाकत अली ने संस्थान के निदेशक सुरेन्द्र पाण्डेय को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एशियन कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट को यह अवार्ड छत्रों को अच्छी शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार प्रदान करने एवं अप्रेन्टिसशिप के लिए प्रदान किया गया है। सुरेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि ये हमारे लिए गौरव की बात है कि लगातार कई वर्षो से संस्थान को बेस्ट सेंटर अवार्ड मिल रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान का यही प्रयास रहता है कि हम कैसे संस्थान को उन ऊंचाइयों तक ले जाए जिससे छात्र छात्राओं को लाभ हो सके जो छात्र बाहर जाकर पढ़ाई नही कर सकते उनके लिए हम लोग हमेशा प्रयासरत रहते है कि उनको वह सुविधाएं प्रदान कर सकें जिससे वह भी अपना भविष्य बना सके।प्रबंध निदेशक आकांक्षा सक्सेना ने कहा की वर्तमान में छात्र छात्राएं अपने कैरियर को लेकर जागरुक हो गए है इन सबको देखते हुए हमलोग अब क्ष्ट, क्क जैसे प्रोफेशनल कोर्सेज का संचालन कर रहे है जिसको करने के बाद छात्र अपना भविष्य सुरक्षित कर सके आज के समय में 12ह्ल्द्ध के उपरान्त सही कोर्स का चुनाव करना होता है जिससे की छात्र आज की हर चुनौतियों का सामना कर सके इसलिए हम लोग भी क्ष्ट, क्क मे प्रवेश लेने के लिए सलाह देते जो छात्र बाहर नही जा सकते उनके लिए हमारे संस्थान में हर सुविधा उपलब्ध है इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार के संस्थान यूपीडेस्को द्वारा संचालित ष्ठढ्ढञ्ज कोर्स जो की ओ लेवल के समक्ष है करना भी उचित रहता है वर्तमान में उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण द्वारा संचालित योजना में ओबीसी छात्र सीसीसी कोर्स में निशुल्क प्रवेश ले सकते है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन में भी निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

रीवा के डॉक्टर आरती तिवारी को ऑलराउंडर रो वूमेन अचीवर ऑफ द ईयर के रूप में सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार तिवारी

मध्यप्रदेश- देश की राजधानी दिल्ली में एशिया के चालीस देशों से नामांकित विभिन्न क्षेत्रो मे अग्रणी काम करने वालों को ग्लोबल एंपायर व बिज्ज नेशन टीवी की ओर से दिल्ली के मशहूर होटल रेडिसन के सभागार में एक गरिमामई आयोजन में मध्य प्रदेश के रीवा से डॉक्टर आरती तिवारी को ऑल राउंडर रो वूमन अचीवर ऑफ द ईयर के रूप मे सम्मानित किया गया ये सम्मान उन्हें विभिन्न क्षेत्रो में किए गए कई कार्यों के लिए विशेषकर कठिन समय विपरीत हालातों में भी ख़ुद को संभाल कर कई अन्य लोगो को भी स्वयं का उदहारण देते हुए समाज में एक संबल के रूप में खड़ा किया है जो थोड़ी सी परेशानी में अपना आपा खो बैठते है।इसके लिए उनका चयन कई चरणों के साक्षात्कारो के बाद हुआ जिनमे लगभग सात जूरी सदस्यों की टीम रही दिए हुए साक्षातकार में डाक्टर आरती तिवारी ने इसका श्रेय सबसे पहले उस अदृश्य ताकत को ही दिया जो न होकर भी हर पल उनके साथ रहता है उनकी ताकत बनकर और उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हम अपने जीवन में उस शक्श को जरूर पहचाने और उसकी समय रहते कद्र करे।दूसरे उन्होंने अपने माता पिता को धन्यवाद दिया साथ ही परिवार के हर सदस्य के साथ रीवा के उन तमाम दोस्तो , हर क्षेत्र के साथी कर्मियो और शुभचिंतकों के नाम इस पुरस्कार को किया साथ ही सबका धन्यवाद भी ज्ञापित किया ये पुरस्कार उन्हें भारत सरकार के महा वाणिज्य दूत सम्मानीय के एल गंजू , व बिज नेशन ञ्जङ्क के प्रबंधक हिंदुस्तान टाइम्स सी ई ओ के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया

व्यापारी से लूट के मामले में 48 घंटे बाद भी पुलिस खाली हाथ व्यापारियों में दहशत

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।किराना व्यापारी से हुई लूट के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस खाली हाथ दुकान बंद करके लौट रहे किराना व्यापारी को चार पांच नकाबपोश बदमाशों ने गांव से कुछ दूर पहले ही तमंचे की नोक पर बीस हजार रुपए एक मोबाइल व मोटरसाइकिल लूट कर भाग गए पर एक समाजसेवी द्वारा उच्च अधिकारियों को ट्वीट कर मामले की शिकायत की तो पुलिस ने अधिकारियों की फटकार के बाद मामला लूट में दर्ज किया । पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए पीड़ित को थाने से भगा दिया था । मामले की समाजसेवी द्वारा शिकायत करने पर मामला अधिकारियों की जानकारी में पहुंचा तो उच्च अधिकारी व पूरा पुलिस अमला हरकत में आ गया लेकिन 48 घंटे बीत जाने के बाबजूद भी लूट के आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है बल्कि प्रभारी निरीक्षक लूट करने वालों पर ज्यादा ही मेहरबान दिख रही है पहले पीड़ित को मामले को संदिग्ध व फर्जी बताकर थाने से भगा दिया उसके उच्च अधिकारियों की फटकार के बाद मौके पर पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक परमेश्वरी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जो खून के निशान थे उन्हें उन खून के निशान को पान व गुटखा की पीक बताकर मामले को फिर फर्जी घोषित करने की कोशिश की वहीं जिस समाज सेवी द्वारा मामले की उच्च अधिकारियों से शिकायत की गई उसका ट्वीटर एक्स से फोटो निकालकर एक व्यक्ति को दिखाया फिर उसके बाद देख लेने की धमकी तक दे डाली अधिकारियों की फटकार के बाद उन्होंने अभियोग पंजीकृत कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी ने दिखलाया बिकराल रूप बाजार पड़ा खाली

क्यूँ न लिखूँ सच -घनश्याम प्रसाद शर्मा

देवेंद्र नगर - ज्यादा गर्मी अपना तेवर दिखा रही जिससे जनता जनार्दन बहुत ज्यादा परेशान साथ ही साथ बाजार में सुबह 9ः00 बजे से शाम 6ः00 बजे तक रौनक नहीं दिखाई दे रही सारा बाजार खाली पड़ा गर्मी में सभी का हाल बेहाल है दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से 45 डिग्री तक रहता है जो की बाहर खड़े होने में भी ऐसा प्रतीत होता है शरीर झुलस जाएगा इसी क्रम में आम जनता को सरकारी ऑफिशो का काम प्राइवेट काम सभी लोगों को इसी बड़े तापमान में करना पड़ता है जबकि ऐसे तापमान में घर से निकलना भी दुबार लगता है प्रशासन के हिसाब से हर ऑफिस में ना तो छाया की व्यवस्था है और ना ही पीने की पानी की उचित व्यवस्था अब जनता करे तो करे क्या/

राप्ती बैराज पर लगे तवे के सहारे नीचे उतर कर जान जोखिम डाल करके लोग करते हैं मछली का शिकार

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती थाना क्षेत्र मल्हीपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर कोठी में स्थित राप्ती बैराज पर ग्रामीणों द्वारा नहर विभाग के कर्मचारियों की मिली भगत से मछली का शिकार करते हैं जबकि नहर विभाग के कर्मचारी हर वक्त मौजूद है वहां गेस्ट हाउस बना हुआ है सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है इसके बावजूद भी गांव के लोग तवे के सहारे नीचे जाकर मछली का शिकार करते हैं और जान जोखिम में डालते हैं जबकि इस संबंध में सिंचाई विभाग के कर्मचारी व अधिकारी मौन धारण किए हुए हैं और नजर अंदाज कर रहे हैं इस पर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी श्रावस्ती से संज्ञान लेते हुए कार्यवाही की मांग किया है ।

7.96 लाख पौधे लगने को तैयार हरियाली

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग की ओर से 7.96 लाख पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इन पौधों को पौधरोपण अभियान के दौरान जुलाई अगस्त महीने में सार्वजनिक स्थानों पर रोपित किया जाएगा। इन पौधों के रोपित होने से क्षेत्र में हरियाली बढ़ेगी और प्रदूषण स्तर कम होगा। हर साल जुलाई अगस्त में वन विभाग की ओर से लाखों पौधे रोपे जाते हैं। पांच जून को हर साल पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इसी दिन से पौधरोपण अभियान की शुरुआत होती है। इसके बाद अभियान चलाकर जुलाई व अगस्त महीने में वृहद स्तर पर लाखों पौधे लगाए जाते हैं। जिसके लिए वन विभाग की ओर से अभी से तैयारी शुरू कर दी गई है और वन क्षेत्र के पौधशालाओं में पौधों की नर्सरी तैयार की जा रही है। हरदत्त नगर गिरंट वन क्षेत्र के सुजानडीह पौधशाला में 4.10 लाख व औसानकुंडी पौधशाला में 3.86 लाख समेत 7.96 लाख पौधों की पौधशाला में लगी 4.10 लाख पौधौ की नर्सरी कुंडी पौधशाला में तैयार हो रहे 3.86 लाख पौधे नर्सरी तैयार हो रही है। इन पौधों से विकास क्षेत्र जमुनहा के 84 ग्राम पंचायत में सरकारी व खाली पड़ जमीनों में जुलाई व अगस् महीने में पौध रोपण किय जाएगा। हरदत्त नगर गिरंट रेंज वनक्षेत्राधिकारी राम मिलन बताया कि पौधशाला इमारती, औषधीय औ छायादार वृक्षों के पौधे तैया किए जा रहे हैं। अभियान चलाकर क्षेत्र में इन पौधों का रोपण किया जाएगा।

शामली में फिर दिखाई दिया तेंदुआ, लोगों में दहशत का माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली।चौसाना में बिडौली मार्ग के गांव उदपुर गांव में खेतों पर काम करने गए किसानों ने तेंदुआ देखा तो हड़कंप मच गया। वहीं, तेंदुआ देखे जाने से लोगों में दहशत फैल गई। तेंदुआ की सूचना के बाद मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण लाठी-डंडों के साथ खेत पर जमा हो गए। वन विभाग की टीम भी तेंदुए की तलाश में जुटी है। चौसाना के उदपुर में शुक्रवार को साकिर के खेत में तेंदुआ देखा गया। जिससे लोगों में दहशत में फैल गई। मामले की सूचना पर काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना के करीब तीन घंटे बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को तलाश किया। तेंदुए के कारण कुछ ग्रामीण खेतों पर जाने से भी हिचक रहे हैं। क्षेत्रीय वन अधिकारी राजेश कुमार का कहना है कि तेंदुए को तलाश किया जा रहा है। जल्द ही पकड़ने का प्रयास किया जाएगा।

Hormonal Imbalance: These habits of yours can become the cause of hormonal imbalance and can make you a victim of many problems.

Hormonal imbalance is a big problem. Due to this, many types of problems can occur in the body. While some diseases can be cured, some can take a serious form. Therefore, it is very important to keep hormones balanced. Hormonal imbalance can be a reason for problems ranging from acne, diabetes, thyroid, obesity to infertility. It is very important for hormones

to be balanced for better functioning of the body. Due to hormonal imbalance, obesity, diabetes, poor digestion and many other problems can bother you. In today's time, people are becoming victims of many diseases at an early age. Along with diabetes, obesity, constipation, high blood pressure, it also includes hormonal imbalance. This is a different kind of problem. Many other problems can arise in the body due to imbalance of hormones. Hormone imbalance means more or less production of hormones in the body. Some of our habits are responsible for hormonal imbalance. If you improve these habits, hormones can be balanced easily. Know here which habits are the cause of hormonal imbalance. Not doing physical activities - Due to busy lifestyle, household responsibilities and laziness, ignoring physical activities can be detrimental to health. This not only increases obesity but can also disturb the hormonal balance. Due to which problems like digestion, hair loss, weight gain can be seen. If you do not want to become a victim of this then do workout for at least 30 minutes daily. Taking stress – Taking too much stress can also spoil the hormone levels. So take less stress. To relieve stress, practice pranayama, yoga, meditation etc. Eating disorders - It feels good to eat junk, oily foods, spicy food, but if these things are a part of your diet, then know that this is hormonal imbalance. Can also be the reason for. To keep hormones balanced, take a diet rich in protein and fiber. Staying awake till late night- Good and deep sleep is also very important to maintain correct hormonal balance in the body. It is necessary to sleep 7 to 8 hours daily for a healthy body. If you do not sleep properly or stay awake till late night, then the hormone level in the body starts deteriorating.

Do not do these things after facial, otherwise rashes and itching may occur, get instant relief from these home remedies.

Facial is an effective treatment to enhance the glow of the skin and prevent the effects of aging. By getting it done regularly, the skin also remains healthy, but some women face the problem of rashes, itching and pimples after facial, so what could be the reason behind this. Today we will learn about them as well as ways to get relief from it. The problem of rashes can occur due to use of soap, beauty products or exposure to sunlight immediately after facial. Aloe vera is very effective in removing the problem of rashes and itching. Facial is a skin treatment which is considered effective in enhancing the glow of the face and also in reducing the effects of aging, but many women suffer from rashes, pimples and itching after

the facial. Problem occurs. The blame for this is put on the products used in facials, but the reason for this is not the products but some mistakes made by you. About which we are going to know today. Also some effective home remedies to remove rashes. Do not wash your face – Do not use soap or face wash at all immediately after getting a facial or throughout the day. Use only normal water to wash your face. Also, do not wipe your face by rubbing it. Avoid sunlight- Avoid exposure to sunlight immediately after getting a facial. After facial, skin pores open and there is every possibility of allergy due to sunlight. If you have to go out in the sun, cover your face properly. Do not use skin care products- If you are getting a facial for glow in a wedding or party, then get it done at least two days before. If you apply makeup on your face at night after getting a facial done on the same day, then there are full chances of getting rashes. Actually, after facial, skin pores open and then when you use chemical based makeup products, they get absorbed into the skin. Due to which problems like rashes, rash and itching can occur. Home remedies to get rid of skin rashes -1. Aloe Vera-It can help in getting rid of many problems like redness, irritation and swelling. Because aloe vera has anti-inflammatory properties. Extract gel from aloe vera leaves and apply it on rashes or swollen areas and wash after half an hour. 2. Cold water compress: Cold water compress is also effective in removing the problem of rashes and itching. Soak a cotton cloth in cold water and place it on the area with rashes. Apart from this, wrap a piece of ice in a cotton cloth and press it gently on the face. This also provides immediate relief from swelling and irritation. It also prevents these problems from increasing. 3. Coconut Oil – Lauric acid found in coconut oil. Contains anti fungal properties. Which are helpful in fighting skin infections. Which removes the problem of redness and itching. Apply lukewarm coconut oil on the face and wash the face with clean water after half an hour.

If you want immediate relief from the heat, then make and drink Sattu Sharbat in these two ways

The month of May is going on, in such a situation the heatwave is also showing its effect. The Meteorological Department has advised people not to leave the house to avoid the heatwave. If you want to avoid this heatwave, then it is very important to change your food and drink. Drinking Sattu Sharbat in this season is considered very beneficial because the consumption of Sattu in the scorching heat is no less than a boon. This Sattu is prepared by grinding black gram after roasting it. Apart from protein, fiber, calcium, magnesium, potassium, iron are also found in plenty in it. You can prepare and drink Sattu Sharbat in many ways. Many people like to make sweet Sharbat, while many people like spicy Sharbat. If you also like to drink Sattu, then in this article we will tell you how to make Sattu Sharbat in two easy ways. Ingredients to make Sattu sweet syrup Sattu Water Sugar powder Cashews Almonds Method of making- Making Sattu sweet syrup is quite easy. For this, first take sattu in a jug. Now add water to it and dilute its solution. When the solution is properly mixed in water, then add sugar powder to it. Dissolve sugar powder properly in water, so that its taste comes out properly. After this, when it dissolves properly, add chopped almonds and cashews to it and finally add ice. Now after cooling it, serve it in a glass. Ingredients to make Satty salty syrup Sattu Roasted cumin powder Green chillies Mint leaves Asafoetida - 1 pinch Lemon juice Black salt Salt Ice Method Making Sattu salty syrup is also quite easy. For this, first of all chop green chillies and mint finely. After this, dissolve sattu in a jug. Now add black salt, plain salt, green chillies, mint leaves, lemon juice and

roasted cumin powder to this solution and mix. After this, add a pinch of asafoetida and mix it. Finally, add ice cubes to it and serve it chilled.

Ankita Lokhande used to write only one thing in her diary in childhood, if you know then it can be beneficial for you too

Ankita Lokhande is a well-known name in the TV industry. Ankita Lokhande, who started her career with Ekta Kapoor's daily soap Pavitra Rishta, has also made a special place for herself in Bollywood films on the basis of acting. Ankita Lokhande recently told in a special conversation with Dainik Jagran that she used to write a diary in her childhood and used to write only one thing in it. - Ankita Lokhande was fond of writing diaries in her childhood, she used to write only one thing in her diary- Ankita Lokhande also responded to trolling. Ankita Lokhande does not need any identity in today's time. Ankita Lokhande, who became famous in every household by playing the character of Archana in Pavitra Rishta, has traveled from the TV world to Bollywood. The finalist of Bigg Boss 17 received a lot of appreciation for Randeep Hooda's film 'Swatantryaveer Savarkar'. After participating in Bigg Boss, Ankita Lokhande had to face a lot of criticism for her behaviour.

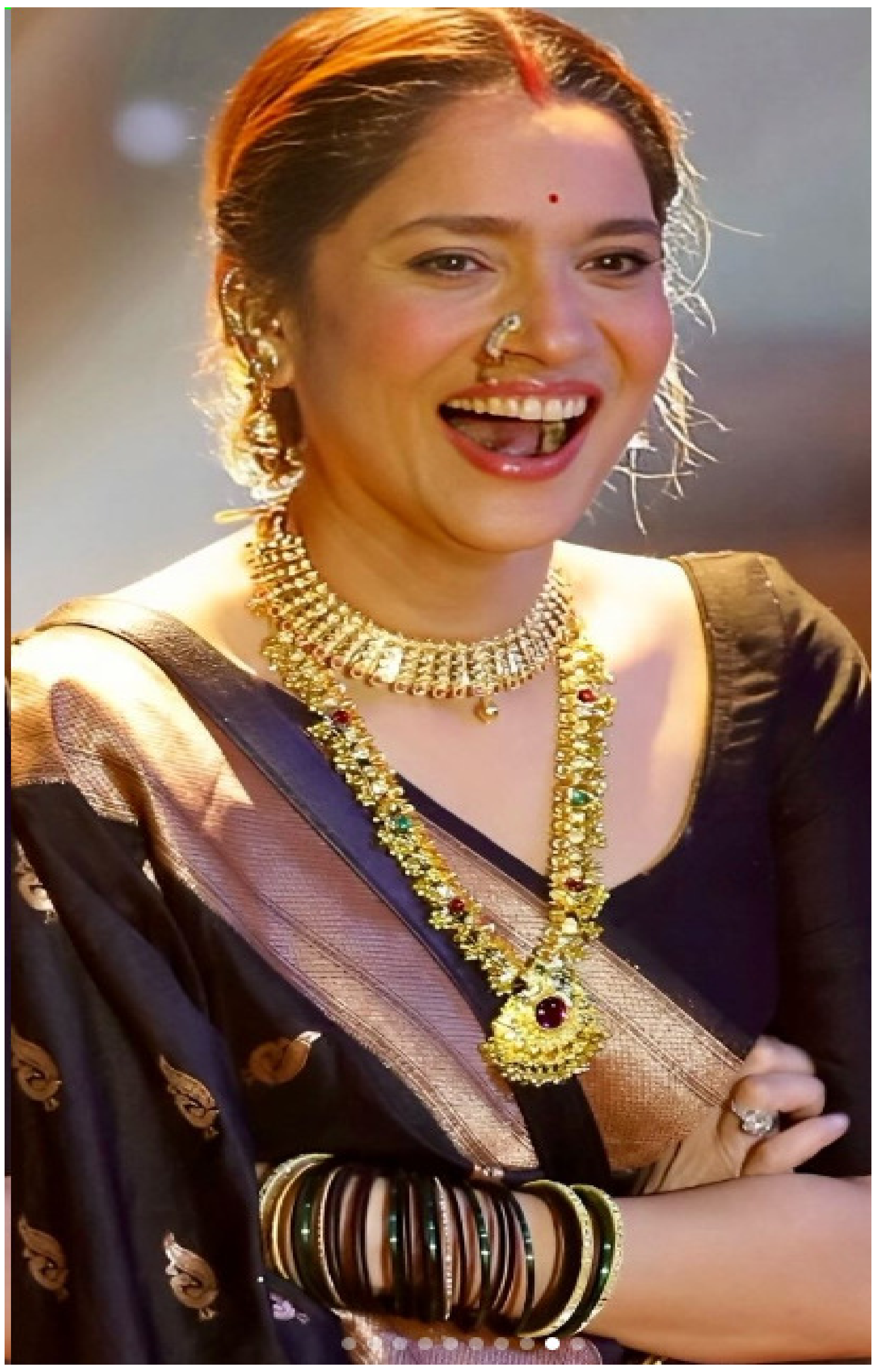

Recently, in a special conversation with Dainik Jagran, Ankita Lokhande expressed her reaction on trolling, but at the same time, while reliving her childhood memories, she told what was the one thing which she always used to write. Ankita Lokhande was fond of writing diaries in her childhood - very few people have clarity about what they want to become in the future, which profession they want to go into. However, it is not possible that everything you think about yourself comes true. Actress Ankita Lokhande believes that if you think of some things for yourself and decide to do them, then luck also starts supporting you. In a special conversation, Ankita tells an anecdote, "When I was in third or fourth class. Then I had written a note in that diary that I wanted to become a heroine and that dream grew with me. I am here. I start thinking about what I want. Although I don't write a diary today, I don't know what I would write in it. Appreciation matters more than trolling - However, Ankita is not alone in this list, who is telling fans about manifesting to fulfill their dreams. Before him, many actresses including Anushka Sharma have said this. Ankita is also very active on internet media. Are they not afraid of trolling? On this she says that who can stop trolling. Trolling keeps happening. Those who want to troll, keep doing it. Those who want to appreciate my work should also do so. I think appreciation means more to me than trolling. I would like to pay more attention to those who praise me.

Kalki 2898 AD: Users were left speechless after seeing Amitabh's young look, forgot Prabhas' avatar in front of 'Ashwatthama'

Kalki 2898 AD is the most awaited film in the career of both Prabhas and Deepika Padukone. Kamal Haasan, Amitabh Bachchan and Disha Patani also play important roles in this Indian mythological sci-fi movie. Recently, Amitabh Bachchan's character of Ashwatthama was unveiled in Nag Ashwin's movie where even the fans were surprised to see Big B in a young look after many years. Seeing Amitabh Bachchan's young look, users forgot Prabhas - Amitabh Bachchan will be seen playing the role of 'Ashwatthama' - These stars will be seen in Kalki - 2898 AD After Prabhas' 'Salaar', the film for which the fans are eagerly waiting. Yes, that is Kalki-2898 AD. In this film to be made under the direction of Nag Ashwin, for the first time the audience will get to see the pairing of Prabhas and Deepika Padukone on the film screen. A small teaser of the sci-fi film has already arrived, after which the makers have announced the pairing of Deepika Padukone (The curtain was raised with a glimpse of Deepika Padukone) and Prabhas. After these two, now recently the look of Amitabh Bachchan, who played the character of 'Ashwatthama' in 'Project K', has also been revealed. Fans are also surprised to see Amitabh Bachchan's young look in the film and are not tired of praising him. Amitabh Bachchan's young look won the hearts of fans - Amitabh Bachchan in the film 'Kalki-2898 AD' produced by Vyjayanti Movies. He will be seen in the role of 'Ashvatthama', who was blessed with immortality and is believed to be alive even today. A few days before the Indian mythological film, Amitabh Bachchan shared the teaser of Big B as 'Ashwatthama', which attracted the attention of the users on the internet. On Sunday, when the makers of 'Ashwatthama' When a video was shared while introducing the character, it showed the journey of penance of Amitabh Bachchan from being a young boy to growing up. With a bandage on his face, long mustache and black hair along with the brilliance that shines on his forehead, his acting won everyone's heart in this short teaser. Seeing Amitabh Bachchan's look, users forgot Prabhas - Movie Kalki-2898 - People are not tired of praising the way Amitabh Bachchan showed the five viewers in his short teaser from AD. One user wrote, "I would give this teaser of Amitabh Bachchan's Kalki a full 10. The background number and this young look of Amitabh Bachchan are amazing." Another user wrote, "This is really good, at this age What can we say about Amitabh Bachchan's acting, when he said 'Ashwatthama', we got goosebumps." Another user wrote, "The biggest star of the Indian film industry, who has been entertaining us for the last five decades".

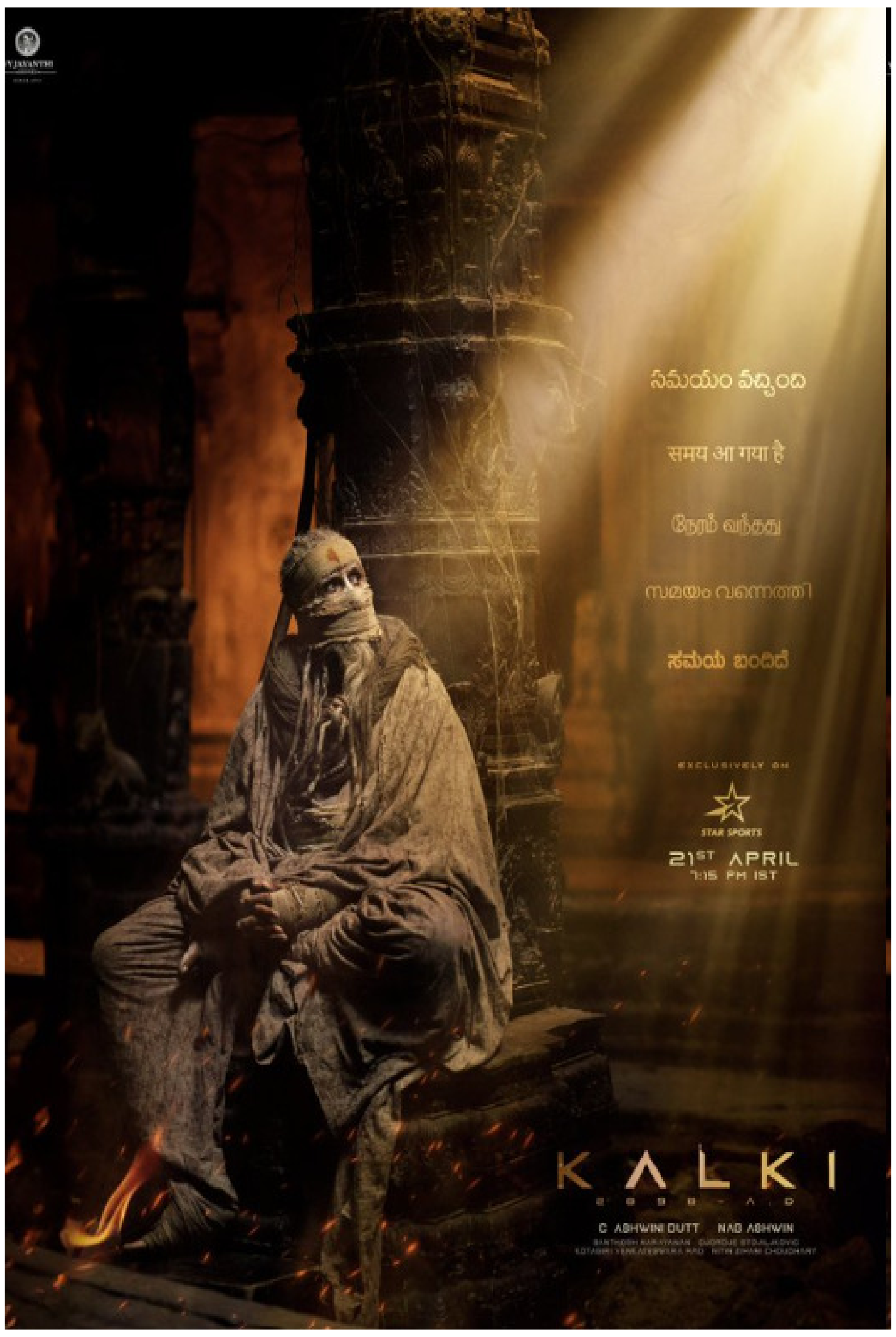

What happened to Abhay Deol? The actor's face turned blue, scared fans said - Have you also got Botox done?

Abhay Deol, nephew of Bollywood actor Dharmendra, has left his mark in the hearts of the audience through select roles. He has done few but those films in which his character can be remembered for a long time. Apart from the film line, Abhay is very active on social media. He has shared some pictures, seeing which some fans got tensed. Abhay Deol shared new photos - The actor's face turned blue - This look is from the themselves for a project. Sometimes only the face and Sometimes this change becomes so much that even after similar situation has happened with actor Abhay Deol. The his pictures on social media. In these photos his face is seen pictures. However, there is a twist in the story and the whole Abhay Deol is busy preparing for the upcoming film 'Bun rather he has done make-up in such a way that he looks on social media, 'Face paint for my film Ban Tikki. This is intoxication' - In these pictures, Abhay Deol can be seen cheeks. He is seen wearing light pink shade makeup on his bit strange in these. Seeing these pictures, a user commented, 'Bro Dev is becoming D.' One user wrote, 'I

upcoming film. Actors often have to make changes in sometimes the entire body gets transformed. seeing the photo, it is not clear who this person is. A 'Zindagi Na Milegi Dobara' actor has shared some of looking blue. Some fans were shocked after seeing his story is different. Abhay Deol's makeup surprised-Tikki'. For this movie, he has got his face painted or strange. Showing a glimpse of her makeup, she wrote getting out of hand!' Fans said - 'Reduce your wearing purple eye shadow and heavily bulging face and purple makeup on his eyes. His face looks a commented, 'Reduce your intoxication.' One thought another actor got botox done.' Cast of 'Bun Tikki' - Apart from Abhay Deol, 'Bun Tikki' directed by Faraz Arif Ansari includes Zeenat Aman, Jyoti Deshpande, Dinesh Malhotra and Marijke Desouza are also there.